दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-200 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 13 जून, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'यदि बीज मिट्टी में दबने के डर से अंकुरित होना छोड़ दे, तो वह कभी वृक्ष नहीं बन सकता। उसी प्रकार जो व्यक्ति असफलता के भय से प्रयास नहीं करता, वह अपनी संभावनाओं को स्वयं ही दफना देता है।'

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

पहला कदम ही सफलता की पहली मंजिल

जीवन में सफलता का सपना हर व्यक्ति देखता है, लेकिन उस सपने को साकार करने का साहस बहुत कम लोग जुटा पाते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है–असफलता का भय और गलतियों से बचने की मानसिकता। वास्तव में, जीवन में आगे बढ़ने की सबसे बड़ी बाधा बाहरी परिस्थितियां नहीं, बल्कि हमारे मन में बैठा हुआ डर होता है। यही डर हमें पहला कदम उठाने से रोकता है और हमारी संभावनाओं को जन्म लेने से पहले ही समाप्त कर देता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

मानव इतिहास इस बात का साक्षी है कि दुनिया के किसी भी महान व्यक्ति ने सफलता की ऊँचाइयां बिना संघर्ष, बिना जोखिम और बिना गलतियां किए प्राप्त नहीं की हैं। हर सफल व्यक्ति के जीवन में असफलताओं, आलोचनाओं और चुनौतियों का लंबा दौर रहा है। अंतर केवल इतना था कि उन्होंने अपनी गलतियों को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि सीखने का अवसर माना। उन्होंने गिरने के डर से चलना नहीं छोड़ा, बल्कि हर ठोकर को आगे बढ़ने की प्रेरणा बना लिया। आज समाज में एक बड़ी समस्या यह है कि लोग परिणाम के बारे में इतना अधिक सोचने लगे हैं कि शुरुआत करने का साहस ही खो बैठे हैं। अनेक युवा अपने सपनों को केवल इसलिए अधूरा छोड़ देते हैं क्योंकि उन्हें डर होता है कि यदि वे असफल हो गए तो समाज क्या कहेगा। वे दूसरों की राय के बोझ तले अपनी प्रतिभा को दबा देते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि दुनिया हमेशा उन्हीं लोगों की आलोचना करती है जो कुछ नया करने का प्रयास करते हैं। जो लोग जोखिम उठाते हैं, वही इतिहास बनाते हैं; जो डरकर बैठ जाते हैं, वे केवल दर्शक बनकर रह जाते हैं।जीवन की हर बड़ी उपलब्धि एक छोटे से कदम से शुरू होती है। कोई भी पर्वतारोही एक ही छलांग में पर्वत की चोटी पर नहीं पहुंचता। वह एक-एक कदम बढ़ाकर ऊंचाइयों को जीतता है। इसी प्रकार सफलता का मार्ग भी छोटे-छोटे प्रयासों से बनता है। जो व्यक्ति पहला कदम उठाने का साहस कर लेता है, वह आधी जीत उसी समय हासिल कर लेता है। क्योंकि शुरुआत करना ही सबसे कठिन कार्य होता है। अक्सर लोग यह सोचते हैं कि पहले सारी परिस्थितियां अनुकूल हो जाएं सभी संसाधन उपलब्ध हो जाएं, तब वे अपने लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे। लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है। परिस्थितियाँ कभी पूरी तरह अनुकूल नहीं होतीं। रास्ता भी शुरू में स्पष्ट दिखाई नहीं देता। जैसे-जैसे व्यक्ति आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे रास्ते खुलते जाते हैं और अवसर सामने आते जाते हैं। जो लोग पूर्ण परिस्थितियों की प्रतीक्षा करते रहते हैं, वे जीवन भर प्रतीक्षा ही करते रह जाते हैं। गलतियाँ जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। यदि कोई व्यक्ति यह सोचकर प्रयास नहीं करता कि उससे गलती हो सकती है, तो वह स्वयं को सीखने और विकसित होने के अवसर से वंचित कर देता है। विद्यालय में भी विद्यार्थी गलतियाँ करके ही सीखता है। बच्चा चलना सीखते समय कई बार गिरता है, लेकिन वह गिरने के डर से चलना नहीं छोड़ता। यदि वह डर जाता, तो शायद कभी चलना ही नहीं सीख पाता। यही सिद्धांत जीवन के हर क्षेत्र में लागू होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सफलता की परिभाषा को केवल परिणामों तक सीमित न रखें। प्रयास करना, सीखना, संघर्ष करना और निरंतर आगे बढ़ना भी सफलता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। असली असफलता गिरना नहीं, बल्कि गिरने के बाद उठने से इंकार कर देना है। जो व्यक्ति हर असफलता के बाद फिर से खड़ा हो जाता है, वह अंततः सफलता को प्राप्त कर ही लेता है। हमारे समाज और शिक्षा व्यवस्था को भी युवाओं में जोखिम लेने और प्रयोग करने की भावना विकसित करनी होगी। बच्चों को यह सिखाना होगा कि गलतियाँ करना अपराध नहीं है, बल्कि उनसे सीखना बुद्धिमत्ता है। जब व्यक्ति डर से मुक्त होकर अपने सपनों की ओर बढ़ता है, तभी उसकी वास्तविक क्षमता सामने आती है।

अंततः जीवन हमें एक ही संदेश देता है–सपने देखने से मंजिल नहीं मिलती, उसके लिए कदम बढ़ाने पड़ते हैं। यदि आप अपने लक्ष्य तक पहुँचना चाहते हैं, तो डर को अपने रास्ते से हटाइए। असफलता की आशंका से अधिक महत्वपूर्ण है प्रयास करने का साहस। याद रखिए, जो लोग पहला कदम उठाने का साहस करते हैं, वही मंजिल तक पहुँचते हैं। जो लोग डरकर रुक जाते हैं, वे जीवन भर केवल मंजिल की कल्पना ही करते रह जाते हैं। सफलता का द्वार उन लोगों के लिए खुलता है जो भय के अंधेरे से निकलकर साहस का दीपक जलाते हैं। इसलिए आज, अभी और इसी क्षण अपने सपनों की दिशा में पहला कदम बढ़ाइए, क्योंकि हर महान यात्रा की शुरुआत एक छोटे से कदम से ही होती है।

बीजेपी के किसान सम्मेलन से किरोड़ी दूर क्यों? : डोटासरा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। बीजेपी किसान मोर्चा के जैविक खेती पर हुए किसान सम्मेलन में राजस्थान और गुजरात के राज्यपालों की मौजूदगी और कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा की गैर मौजूदगी पर सियासी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राजनीतिक कार्यक्रम में दो राज्यपालों की मौजूदगी पर सवाल उठाए हैं। साथ ही, उन्होंने बीजेपी के किसानों के कार्यक्रम से कृषि मंत्री की दूरी पर भी तंज कसा है। डोटासरा ने सीएम भजनलाल को जवाब देते हुए एक्स (X) पर लिखा- भाजपा के राजनीतिक कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत की मौजूदगी संवैधानिक मर्यादा और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। राज्यपाल संविधान के निष्पक्ष प्रहरी होते हैं, किसी राजनीतिक दल के प्रचारक नहीं। भाजपा के राजनीतिक कार्यक्रम में संवैधानिक पदों का इस तरह इस्तेमाल लोकतंत्र की हत्या है।

क्या भ्रष्टाचार सामने आने के बाद सरकार ने कृषि मंत्री से दूरी बना ली है

डोटासरा ने डॉ. किरोड़ी की गैरमौजूदगी पर सवाल

राजनीतिक कार्यक्रम में दो-दो राज्यपालों की मौजूदगी निष्पक्षता पर गंभीर सवाल

उठाते हुए लिखा- 'विडंबना देखिए, किसानों के नाम पर आयोजित इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री शामिल क्यों नहीं हुए? सरकार को ये भी बताना चाहिए अगर किसानों के हितों पर इतनी ही गंभीरता थी तो कृषि मंत्री को कार्यक्रम से दूर क्यों रखा गया? क्या छापेमारी की आड़ में करोड़ों का भ्रष्टाचार सामने आने के बाद सरकार ने कृषि मंत्री से दूरी बना ली है?

कृषि मंत्री की गैर-मौजूदगी पर सियासी हलकों में चर्चाएं

बीजेपी किसान मोर्चा के जैविक खेती को लेकर किए गए किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री सहित सरकार के प्रमुख मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता मौजूद थे, लेकिन कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा नहीं थे। डॉ. किरोड़ी का नाम कार्यक्रम के किसी बैनर-पोस्टर में भी नहीं था। कृषि मंत्री की गैर-मौजूदगी पर अब कांग्रेस को सवाल उठाने का मौका मिल गया है। सत्ताधारी पार्टी के किसानों के कार्यक्रम से कृषि मंत्री की गैर-मौजूदगी के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

करण कुमावत पर हुए हमले का आक्रोश, मशाल जुलूस निकाला

सभी आरोपी गिरफ्तार नहीं होंगे धरना जारी रहेगा, पुलिस पर भरोसा ही नहीं रहा

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर। सीकर के खाटूश्यामजी में 26 मई को युवक करण कुमावत पर हुए हमले के मामले में आज पांचवें दिन भी अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा। आज शाम को धरने पर बैठे लोगों ने मशाल जुलूस निकाला, जो कलेक्ट्रेट के बाहर धरना स्थल से रवाना होकर कल्याण सर्किल, तापड़िया बगीची होते हुए वापस धरना स्थल पहुंचा। मशाल जुलूस के दौरान लोगों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

मशाल जुलूस में शामिल शिवभगवान ने बताया कि 26 मई को युवक करण कुमावत पर जानलेवा हमला हुआ था। इस घटना के बाद हमने एसपी को ज्ञापन दिया और 1 जून को खाटूश्यामजी में 3 घंटे तक सांकेतिक धरना भी दिया। लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने के चलते 5 दिन पहले सीकर कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर धरना शुरू किया गया।पुलिस अभी तक मामले में सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। आज हमारे प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम से भी मुलाकात की, जिस पर उन्होंने जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

बी.टी.टी.आई में अग्निवीर चयनित 30 विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

बिरला टेक्निकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, पिलानी द्वारा भारतीय सेना अग्निवीर भर्ती 2026 में चयनित 30 विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया।देशभक्ति के उत्साह और गर्व के माहौल के बीच आयोजित हुए समारोह के मुख्य अतिथि संस्थान निदेशक डॉ बी के राउत एवं विशिष्ट अतिथि बीकेबीआईईटी प्राचार्य डॉ अनिल शर्मा व बीकेबीआईएचई प्राचार्य डॉ विपिन कुमार थे। संस्थान प्राचार्य मनोज कुमार गौड़ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान की उपलब्धियां पर प्रकाश डाला। संस्थान निदेशक डॉ बीके राउत ने संस्थान की उपलब्धियां पर की सराहना करते हुए संस्थान द्वारा देश की सेवा में किया जा रहे कार्यों की प्रशंसा की उन्होंने सभी चयनित अग्नि वीर स्टूडेंट को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अतिथियों ने अग्नि वीर के लिए चयनित स्टूडेंट्स को माला पहनकर सम्मानित किया। अतिथियों ने सभी चयनित स्टूडेंट्स को संदेश देते हुए 'सेवा पर गर्व, देश के लिए समर्पण ही असली पहचान है' और युवाओं को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर उपप्राचार्य निरंजन शर्मा, एच ओ डी शेर सिंह नितेश कोठारी व प्रशांत अग्रवाल, आईटीआई इंचार्ज नरेंद्र शर्मा, ले अनिल कुमार सहित स्टाफ सदस्य व स्टूडेंट्स एवं अभिभावक मौजूद थे।

शिक्षक पुत्री ने शिक्षा के क्षेत्र लहराया सफलता का परचम

वरिष्ठ अध्यापक गणित विषय के घोषित परिणाम में हासिल की राज्य में 19वीं रैंक

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

शिक्षक पुत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में सफलता का परचम लहराते हुए वरिष्ठ अध्यापक गणित विषय में प्रदेश स्तर पर 19वीं रैंक हासिल कर परिवार,समाज व गांव का नाम रोशन किया है। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित वरिष्ठ अध्यापक गणित विषय में शहीद दयाचंद राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रहनावा में शिक्षक पद पर कार्यरत, माताजी की ढाणी नवलगढ़ निवासी व महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोरधन सैनी की सुपुत्री शिखा सैनी ने राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा जारी सैकेंड ग्रेड मैथ्स के परीक्षा परिणाम में ऑल राजस्थान 19वीं रैंक हासिल कर सफलता परचम लहराते हुए रिकॉर्ड कायम कर कीर्तिमान स्थापित करते हुए इतिहास रचा है। उन्होंने

अपनी सफलता का श्रेय परिजनों व गुरूजनों को दिया है। शिखा की माता सुनीता सैनी गृहणी है। जबकि छोटा भाई विशाल वर्तमान में रूड़की से आईंआईटी कर रहा है। शिखा की शानदार उपलब्धि पर परिजनों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों सहित महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के पदाधिकारी सदस्य व विधार्थी ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

नाघोड़ी गांव की महिलाओं ने विधायक ललित यादव को दिखाई खाली मटकियां, 5 दिन में पानी समस्या सुलझाने का आश्वासन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद। भीषण गर्मी के बीच नाघोड़ी-गांव में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। पानी की किल्लत से परेशान गांव की महिलाओं ने आज खाली मटके लेकर विधायक ललित यादव से मुलाकात की और अपनी व्यथा सुनाई। महिलाओं ने विधायक को बताया कि मेघवाल मोहल्ला, ब्राह्मण मोहल्ला और कुम्हार मोहल्ले में कई दिनों से नल सूखे पड़े हैं और उन्हें पीने का पानी दूर से लाना पड़ रहा है। महिलाओं की समस्या सुनते ही विधायक ललित यादव ने तुरंत जलदाय विभाग के अधिकारियों और क्षेत्र के ठेकेदार से संपर्क किया। उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि गांव में पानी की इतनी विकट समस्या क्यों बनी हुई है और तत्काल समाधान के निर्देश दिए। विधायक ने महिलाओं को आश्वासन दिया कि 5 दिन के भीतर इस समस्या का स्थायी समाधान कराया जाएगा। जब तक पाइपलाइन से पानी की नियमित आपूर्ति शुरू नहीं हो जाती, तब तक गांव में टैंकर के माध्यम से पीने के पानी की वैकल्पिक व्यवस्था करवाई जाएगी। इस दौरान विधायक ने सभी को शांति से सुना और भरोसा दिलाया कि गर्मी में पानी जैसी बुनियादी समस्या को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। उनके साथ कांग्रेस के कई कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। इस अवसर पर राजबाला, सावित्री देवी, मधु देवी, मीना देवी, मनी देवी, सुमन देवी, शर्मिला देवी, सुनीता देवी, केला देवी, कांता देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं। सभी ने विधायक से त्वरित कार्रवाई की मांग की।

एड.लेखरा को मिला संगम अकादमी सेवा सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

संगम अकादमी कोटा की ओर से आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम में कुशलपुरा निवासी एड. मनोहर लेखरा को साहित्यिक क्षेत्र में संगम अकादमी सेवा सम्मान से सम्मानित किया है। लेखरा के विधिक एवं साहित्यिक क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य, निस्वार्थ सेवा समर्पण द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों ने समाज को नई दिशा प्रदान की है। संगम अकादमी ने लेखरा की उपलब्धियों और उत्कृष्ट कार्यशैली को मान्यता देते हुए संगम अकादमी सम्मान से विभूषित किया है। क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

चिड़ावा में पेयजल संकट से मिलेगी मुक्तिः भाजपा नेता राजेश दहिया ने किया 9 लाख लीटर क्षमता की पानी की टंकी का शिलान्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

शहर की बढ़ती आबादी और पेयजल की लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए चिड़ावा वासियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। अमृत जल योजना के तहत शहर में जल आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए मंडेला रोड स्थित पंप हाउस के पास विधिवत पूजा-अर्चना के साथ 9 लाख लीटर क्षमता की नई पानी की टंकी के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता राजेश दहिया रहे, जबकि अध्यक्षता नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर ने की। शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजेश दहिया ने इस बड़ी सौगात के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जलदाय मंत्री कन्हैयालाल का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। भाजपा नेता राजेश दहिया ने चिड़ावा के विकास की विस्तृत जानकारी दी जिससे मंड्रेला रोड़ पम्प हाउस शिलान्यास की गई 9 लाख लीटर की सी.डब्लू.आर, टंकी के अलावा यहाँ 7 लाख लीटर क्षमता की एक और टंकी का निर्माण किया जाएगा, चिड़ावा के भूतनाथ क्षेत्र में हाल ही में 9 लाख लीटर क्षमता की टंकी का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है, झुन्झुनूं रोड़ पंप हाउस पर भी जल्द ही 9 लाख लीटर की पानी की टंकी बनाई जाएगी, चिड़ावा शहर में जलापूर्ति को बेहतर बनाने के लिए 29,700 मीटर नई पाइप लाइन डाली जाएगी, जिससे हर घर तक पर्याप्त दबाव के साथ पानी पहुँच सके। इस ऐतिहासिक विकास कार्य के शुभारंभ के अवसर पर क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता और प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे जिनमें पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, पार्षद राजेंद्र कोच, पार्षद मदन डारा, पार्षद सम्पत देवी, पार्षद रविकांत शर्मा, पार्षद मंजीत, पार्षद गंगाधर सैनी, पार्षद अंकित भगेरिया, सुरेश जालिंद्र, मोहित तामडायत, विनय सोनी, पीयूष बाछुका, राजेश वर्मा, रिंकू शर्मा, ख्याति केडिया, सुनील भड़िया, पवन शर्मा, अमित सैनी, सुशील डाबला, राजकुमार गजराज, अमित चोटिया, मंगेश भगत, किशोरी लाल, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा, विनोद गिरधर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं मातृशक्ति उपस्थित थी।

चिड़ावा के डॉ.कैलाश चतुर्वेदी को मिलेगा विद्वत् सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

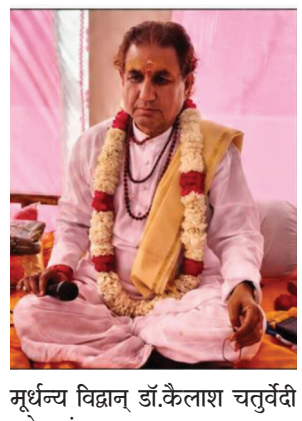

रेलवे स्टेशन के पास वार्ड नंबर नौ के निवासी पूर्व संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी एवं संस्कृत भारती, झुंझुनू के जिला अध्यक्ष डॉ.कैलाश चतुर्वेदी को रविवार को विद्वत् सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। वैदिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पं.अरुण कुमार शर्मा वेदाचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित विद्वत् वन्दन एवं सम्मान समारोह का आयोजन 14 जून रविवार को सुबह 10.30 बजे चौमूं में आयोजित किया जाएगा। इस राज्य-स्तरीय समारोह में चिड़ावा के पाणिनीय व्याकरण, संस्कृत साहित्य व ज्योतिष शास्त्र के मूर्धन्य विद्वान् डॉ.कैलाश चतुर्वेदी को संस्कृत व्याकरण,सनातन संस्कृति तथा संस्कृत भाषा के उन्नयन व प्रचार - प्रसार में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया जाएगा।

सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य कीट एवं उनका नियंत्रण

देश में रबी फसलों में सरसों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है, सोयाबीन, मूंगफली के बाद सरसों की खेती देश भर में सबसे ज्यादा होती है। खाद्य तेल के रूप में सरसों की मांग अधिक रहने के कारण पिछले कुछ वर्षों से किसानों को सरसों की खेती से अच्छा मुनाफा हो रहा है। सरसों का अच्छा उत्पादन कई कारणों पर निर्भर करता है जैसे मिट्टी, जलवायु, बीज, रोग तथा कीट। कीट एवं रोगों का प्रभाव सीधे सरसों के उत्पादन पर होता है इसलिए किसानों को समय पर इनकी पहचान कर उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।

सरसों की फसल में समय-समय पर विभिन्न कीट एवं रोग काफी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में कमी आती है। यदि समय रहते इन रोगों एवं कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। चेंपा या माहू, आरामक्खी, चितकबरा कीट, मटर का पर्ण सुरंगक कीट आदि सरसों के मुख्य कीट हैं।

सरसों का माहूं (चैपा /मोयला /एफिडा) कीट

सरसों का माहू छोटा, लंबा व कोमल शरीर वाला कीट है। प्रौढ़ माहूं दो अवस्थाओं में पाया जाता है-पहला पंखरहित और दूसरा पंखसहित। पंखरहित प्रौढ़ 2 मि.मी. लंबे, गोलाकार व हरे रंग के या हल्के हरे पीले रंग के होते है। पंखसहित प्रौढ़ पीले उदर वाले व पंख पारदर्शी होते हैं। शिशु पंखरहित अवस्था के समान होते हैं, परन्तु आकार में छोटे होते हैं। दो नलीनुमा संरचनाएं (कोर्निक्ल्स) उदर के अंतिम भाग में उपस्थित होती है।

हानि के लक्षण

ये कीट प्राय-दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में प्रकट होते हैं और मार्च के अंत तक सक्रिय रहते हैं और मार्च के अंत तक विभिन्न भागों जैसे - पुष्पक्रम, पत्ती, तना, टहनी व फलियों से रस चूसकर नुक्सान पहुंचाते हैं। ये कीट समूहों में रहते हैं व तीव्रता से वंशवृद्धि करते हैं। माहूं पहले फसल की वानस्पतिक कलिका पर प्रकट होते हैं व धीरे-धीरे पुरे पौधे को ढक लेते हैं। ये कीट मधुस्राव निकालते हैं और पौधों पर काले कवक का आक्रमण हो जाता है। तना व पत्तियाँ काली हो जाती हैं, जिससे प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है। इस प्रकाश यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। बादालयुक्त व ठंडा मौसम वंशवृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

समन्वित कीट प्रबंधन

जहाँ तक संभव हो सरसों की बुआई 15 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, इससे फसल माहूँ के प्रकोप से बच जाती है। उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।

माहूँ के प्राथमिक आक्रमण पर 10 दिनों के अन्तराल पर 2-3 बार माहूँ ग्रसित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर देने से माहूँ की वंशवृद्धि को कम किया जा सकता है।

फसल में कम से कम 10 प्रतिशत पौधे माहूँ से ग्रसित हों तथा प्रत्येक पौधे पर 26 से 28 माहूँ हों, तभी छिड़काव करना चाहिए।

ऑक्सी-डेमेटान मिथाइल (मेटासिस्टाक्स) 25 पायस सांद्रण अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण अथवा मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्र को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें

अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। यदि दोबारा से कीट का प्रकोप हो तब 15 दिनों के अन्तराल से पुनः छिड़काव करें।

यह भी पढ़ें कृषि शक्ति योजना-मध्यप्रदेश

सरसों की आरा मक्खी

इस कीट की प्रौढ़ मक्खी 8-11 मि.मी. लंबी, पीले-नारंगी रंग की ततैया की तरह होती है। इसके पंख धूसर रंग के व काली शिरायें लिए हुए होते हैं। इसका अंडरोपक दांतेदार व आरिनुमा होता है इसलिए इसे आरा मक्खी कहते हैं। सर व टाँगे काली होती है। इसकी सुंडी गहरे हरे रंग की होती है, जिसकी पीठ पर पांच लंबवत धारियां होती है।

हानि के लक्षण

यह कीट मुख्य रूप से फसल की पौधावस्था (अक्टूबर-नवंबर) में ही नुक्सान पहुंचाता है। सूंडी, पत्तियों को काटकर उनमें अनियमित आकार के छेद कर देती हैं। अधिक प्रकोप की अवस्था में पौधे को कंकालित कर देती हैं। फसल में आक्रमण पौधावस्था में अधिक होता है और 3-4 सप्ताह पुरानी फसल में ज्यादा नुक्सान होता है। मध्य जलवायु और कम आर्द्रता इसकी वंशवृद्धि के लिए अनुकूल है।

समन्वित कीट प्रबंधन

स्वच्छ कृषि क्रियाएं (खरपतवार नियंत्रण, वैकल्पिक पोषक पौधे व फसल अवशेषों आदि को नष्ट करना) अपनाना चाहिए।

गर्मियों के दिनों (मई-जून) में खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

फसल लगभग एक माह की हो जाए तब सिंचाई करनी चाहिए। इससे इस कीट की सूंडी पानी में डूबकर मर जाती है।

इस कीट के प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करना चाहिए।

मटर का पर्ण सुरंगक कीट

प्रौढ़ मक्खी छोटी काले रंग की होती है और इसका सिर पिला होता है। प्रौढ़ मक्खी की लंबाई 1.5 मि.मी., पंख विन्यास लगभग 4 मि.मी. व घरेलू मक्खी के समान परन्तु आकार में छोटी होती है। नए मेगेट्स कीट धूसर सफेद रंग के होते हैं और इनके मुखांग काले भूरे रंग के होते हैं। पूर्ण विकसित कीट हरा पीला रंग का लगभग 3 मि.मी. चौड़ा, जिनका मध्य भाग मोटा और आगे से चपटा होता है। कीट पत्ती में सुरंग के अंदर रहता है और सुरंग में ही कृमिकोष में चला जाता है।

हानि के लक्षण

पौधे की पत्तियों में प्रौढ़ मादा के अन्डरोपक से अंडे देने के लिए छोटे-छोटे छेद करती है। प्रौढ़ मादा व नर इन छेदों से निकलने वाले रस को चूसते हैं। ये कीट पत्ती के पैरेनकाइमा ऊतकों को खाकर टेढ़ी-मेढ़ी सुरंग बनाते हैं। अत्यधिक ग्रसित पत्तियां पीली होकर गिर जाती है व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अधिक प्रकोप की दशा में ग्रसित पत्तियां छितर जाती हैं। पौधों का ओज प्रभावित होता है और पुष्पं एवं फलन गतिविधियाँ प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप प्राय-पुरानी पत्तियों पर अधिक होता है।

समन्वित कीट

ग्रसित पत्तियों को तोड़कर जमीन में दबा देना चाहिए, ताकि पत्तियों में छिपे कीट व कृमिकोष नष्ट हो जाएं।

ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 पायस सांद्रण या डाइमिथोएट 30 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

चितकबरा कीट

प्रौढ़ कीट के शरीर के ऊपर काले व चमकीले नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। प्रौढ़ 6.5-7.0 मि.मी. चौड़ा व पूर्ण विकसित शिशु 4 मि.मी. लंबा व 2.6 मि.मी. चौड़ा होता है। इन पर भूरी धारियां पाई जाती हैं। पहली व दूसरी अवस्था शिशु कीट का रंग चमकीला नारंगी और तीसरी व चौथी अवस्था का रंग लाल होता है। मुखांग चुभाने-चूसने वाले एवं पश्चोंमुखी होते हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट फसल के छोटे-छोटे पौधों को या पौध अवस्था में अधिक नुक्सान पहुंचाते है। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही पौधे की पत्तियों एवं प्ररोह से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। फसल की दो पत्ती अवस्था में नुक्सान होने पर ग्रसित उपरी भाग मुरझाकर सुख जाता है। वानस्पतिक अवस्था में प्रकोप के समय पत्तियों पर सफेद धब्बे हो जाते हैं। पौधे का विगलन हो जाता है व पौधे पूर्णत-सुख जाते हैं। दोनों मामलों में फसल की दोबारा बुआई आवश्यक हो जाती है। यह कीट फली बनने व पकने की अवस्था में भी आक्रमण करता है, जिससे फलियाँ व दाने सिकुड़ जाते हैं। खलिहानों में कटी हुई फसल पर इन कीटों का आक्रमण व हानि को देखा जा सकता है। इस प्रकार यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। मध्यम तापमान 20 से 40 डिग्री सेल्सियस व कम आर्द्रता इस कीट के गुणन के लिए उपयुक्त है।

समन्वित कीट प्रबंधन

खेत में साफ़-सफाई रखनी चाहिए। खेतों के आसपास खरपतवार तथा फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए।

खेतों की गर्मियों के दिनों (मई-जून) में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

बुआई के 3-4 सप्ताह बाद यदि संभव हो, तो पहली सिंचाई कर देनी चाहिए।

पौधावस्था में इस कीट का आक्रमण होने पर क्यूनालफॉस 10 प्रतिशत अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धुल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में मेलाथियान 50 पायस अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण की एक लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. की 150 मि.ली.मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

फसल का रंग सुनहरा होने पर ही कटाई कर लेनी चाहिए। फसल की जल्द से जल्द मड़ाई कर लेनी चाहिए, जिसमें अधिक हानि न हो व पादप अवशेषों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए।

अधिक लाभ के लिए करें बेबीकॉर्न की खेती

कृषि क्षेत्र में किसान नई फसलों एवं नई किस्मों की वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में फसलों का चयन बाजार मांग के आनुसार करना चाहिए, जिससे किसानों को उचित भाव मिल सकें। आज के समय में लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ बेबीकॉर्न की खपत में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस वजह से इस फसल का बाजार मूल्य भी अधिक है एवं इससे बहुत से उत्पाद बनाए जाते हैं।

बेबीकॉर्न मक्का की ही एक प्रजाति है, लेकिन इसकी उपयोगिता के आधार पर बेबीकार्न नाम दिया गया है। बाजार में मांग के अनुसार किसानों के बीच खेती की प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। पौधे का अनिषेचित भुट्टा होता और रेशमी बाल (सिल्क) निकलने के 2-3 दिनों के अंदर तोड़कर उपयोग में लाया जाता है। यह काफी मुलायम होता है। समय बढने के साथ इसकी गुणवत्ता में गिरावट आती जाती है।

बेबीकॉर्न से होने वाले लाभ

यह एक स्वादिष्ट व पौष्टिक आहार है, पत्तियों में लिपटा होने के कारण यह कीटनाशक दवाइयों के प्रभाव से मुक्त होता है। इस कारण यह स्वास्थ्य की द्रष्टि से एकदम सुरक्षित है। बेबीकॉर्न का उपयोग सलाद, सूप, सब्जी, अचार एवं कैंडी, पकौड़ा, कोफ्ता, टिक्की, बर्फी, लड्डू, हलवा, खीर इत्यादि के रूप में होता है। बेबीकॉर्न में फास्फोरस भरपूर मात्रा उपलब्ध होता है। इसके लिए अतिरिक्त इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्सियम, लौह व विटामिन भी उपलब्ध हैं। कोलेस्ट्रोल रहित होने एवं रेशों की अधिकता के कारण यह एक निम्न कैलोरीयुक्त आहार है। यह ह्रदय रोगियों के लिए काफी लाभदायक है।

मृदा का चयन एवं खेती की तैयारी

बेबीकॉर्न की खेती के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त दोमट मृदा अच्छी होती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा शेष जुताई देसी हल/रोटावेटर या कल्टीवेटर द्वारा करके पाटा लगाकर खेत को तैयारी कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी के साथ-साथ खेत पलेवा करके तैयार करना चाहिए।

बुवाई समय एवं विधि

उत्तर भारत में बेबीकार्न फरवरी से नवंबर के मध्य कभी भी बोया जा सकता है। बुवाई मेड़ों के दक्षिणी भाग में करनी चाहिए तथा मेड़ से मेड़ एवं पौधे से पौधे की दुरी 60 से.मी. म 15 से.मी. रखनी चाहिए। विभिन्न किस्मों के बीजों के आकार के अनुसार प्रति हैक्टेयर 22-25 किलोग्राम बीज दर उपयुक्त होती है।

उर्वरक प्रबंधन

अच्छी उपज के लिए उर्वरक का सही उपयोग होना चाहिए। फास्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं 1/3 भाग नाईट्रोजन, बुआई के समय एवं 1/3 भाग बुआई के 25 दिनों बाद तथा शेष 1/3 भाग नाईट्रोजन 40 दिनों बाद डालना चाहिए। फॉस्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं द भाग नाईट्रोजन बुआई के समय, द भाग नाईट्रोजन बुआई के 25 दिनों के बाद द भाग 60-80 दिनों के उपरांत तथा शेष नाईट्रोजन 80-110 दिनों के बाद देनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

पहली निराई-गुडाई बुआई के 15-20 दिनों बाद तथा दूसरी 30 से 35 दिनों बाद अवश्य करनी चाहिए। इससे जड़ों में हवा का संचार होता है और ये दूर तक फैलकर भोज्य पदार्थ एकत्र करके पौधों को देती हैं। सीमाजीन 105 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर बीज के अंकुरण के पूर्व खेत में छिडकाव करने से खरपतवार नहीं जमते और फसल तेजी से बढती है।

बेबीकॉर्न की तुड़ाई का सही समय

मक्के की बेबीकार्न की गुल्ली को 3-4 से.मी. सिल्क (जीरा) आने पर तोड़ लेना चाहिए। गुल्ली तुडाई के समय ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए। पत्तियों को हटाने से ये जल्दी खराब हो जाती है। रबी में एक दो दिन छोड़कर गुल्ली की तुडाई करनी चाहिए। एकल क्रांस संकर मक्का में 3- 4 तुड़ाई जरुरी है।

कितनी उपज प्राप्त होगी

इस तरह खेती करने से बेबीकॉर्न की छिलकारहित उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर प्राप्त होती है। इसके अलावा 200-250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हरा चारा भी मिल जाता है।बेबीकार्न का छिलका तुडाई के दिन उतारकर प्लास्टिक की टोकरी, थैली या कंटेनर में रखकर तुरंत मंडी में पहुंचा देना चाहिए।

बेबी कॉर्न के साथ लगाएं अंतःफसल

रबी में बेबीकॉर्न के साथ आलू, मटर, राजमा, मेथी, धनिया, गोभी, शलजम, मूली, गाजर इत्यादि अंतःफसल के रूप में ली जाती है। अंतःफसल से जो उपज प्राप्त होती है वह अतिरिक्त लाभ होता है।

स्ट्राबेरी

स्ट्राबेरी एक स्वादिष्ट, लुभाने वाला तथा पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी तथा लोहा बहुतायत में होते हैं।

साधारणत: हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में पैदा किया जाता है।

किस्में : चान्डलर, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, स्वीटचार्ली, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलरूपी, फर्न, पजारो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना - स्ट्राबेरी का प्रवर्धन मुख्य रनर (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है जाकि कायिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से 7-10 रनर प्राप्त होते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से पूरे वर्ष पौधे प्राप्त करते हैं।

सस्य क्रियाएँ - भूमि को तैयार करना स्ट्रबेरी की खेती के लिए जरूरी होता है। भूमि को जोतकर सममतल बनाते हैं। रनर का रोपक समय सितम्बर-अक्टूबर है। रोपक करते समय यह ध्यान रहे कि रनर स्वस्थ,, कीट एवं बीमारी रहित होने चाहिए। चार तरीके से इसका रोपक करते हैं, जैसे- मैटिड से, स्पेस्ड से, हिल तथा प्लास्टिक फिल्म।

उर्वरण व खाद : भिन्न-भिन्न खद एवं उर्वरण की दर अलग-अलग राज्यों के लिए निर्धारित की गई है जिसमें हिमाचल प्रदेश के लिए खाद व उर्वरण को इस प्रकार निर्धारित किया गया है - 50 टन सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 40 कि.ग्रा. पोटाश को भूमि तैयार करने समय डालते हैं। नत्रजन (80 कि.ग्रा.) को दो भागों में बांटका एक भाग को सितम्बर और दूसरे भाग को फुल आते समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण - खरपतवार नियंत्रण के लिए 3-4 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है। ड्यूरान रसायन 5 कि.ग्रा./है. का एक छिड़काव फसल की गुड़ाई के बाद करें।

तुड़ाई एवं उपज - स्ट्राबेरी की तुड़ाई फलों के आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात् करते हैकं। फलों का पकना गर्म मौसम में शीध्र होता है। फल की तुड़ाई डण्ठल सहित सुबह के समय करते हैं। इसकी उपज 90 क्विंटल/है. आंकी गई है। अच्छे उव्रण प्रबंध द्वारा इसकी उपज 175-200 क्विंटल/है. तक होती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

फलों की सतह का 2/3 हिस्सा लाल रंग का होने पर तुड़ाई करे।

छंटाई करके फलो को प्लास्टिक की पन्नेट (200 ग्राम) में पैक करें।

पन्नेट को सिंगल लेयर सीएफबी बॉक्य में रखें।

फलों को शीत गृह मे 4-5 डिग्री से. तापमान व 85-90 प्रतिशत आर्द्रता पर 20-25 दिन के लिए भण्डारित करें।

फलों से जैम, जेली, आईसक्रीम आदि उत्पाद तैयार करें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट

ये लाल रंग के माइट पत्तों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रूक जाने से उपज कम हो जाती है।

2. थ्रिप्स

थ्रिप्स पौधे के पत्तों व फलों से रस चूसकर हानि पहुँचाते हैं। इनसे फसल के बचाव के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

3. पत्ती सूत्रकृमि (लीफ नेमाटोड)

यह सूत्रकृमि पौधे के नए फलों को नुसान पहुँचाता है जिससे ये टेढ़े-मेढ़े हो जाते हैं तथा इन पर स्लेटी रंग के धब्बे बन जाते हैं। पौधों की वृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ने से ऊपर काफी कम हो जाती है।

प्रबंधन

1. खेत की मिटटी का निर्जर्मीकरण करें।
2. रोपाई से पहले पौधे को 5 मिनट के लिए इसाजोफॉस 50 ई.सी. के 2 प्रतिशत घोल में डुबोएँ।

ग्रामीण सेवा शिविर में मिला त्वरित न्यायः पात्र परिवार को मौके पर मिला खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने और ग्रामीणों की समस्याओं का गांव स्तर पर ही समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू किए गए ग्रामीण सेवा शिविरों का मंडावा ब्लॉक में शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। प्रथम दिवस पर ग्राम पंचायत भीमसर में आयोजित शिविर में प्रशासन की तत्परता और संवेदनशील कार्यशैली का उदाहरण देखने को मिला, जब एक पात्र परिवार को मौके पर ही राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (एनएफएसए) से जोड़कर उसकी लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान कर दिया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत भीमसर के वार्ड संख्या 6 निवासी मुकेश पुत्र हजारीलाल का परिवार लंबे समय से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के लाभ से वंचित था। परिवार का राशन कार्ड एपीएल श्रेणी में दर्ज होने

के कारण उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। कई प्रयासों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से परिवार परेशान था। ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान मुकेश ने अपनी समस्या शिविर प्रभारी एवं तहसीलदार मंडावा डॉ. सुरेन्द्र भास्कर के समक्ष रखी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉ. भास्कर ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद विकास अधिकारी अमित चौधरी एवं अन्य अधिकारियों ने परिवार के दस्तावेजों का परीक्षण किया। जांच में परिवार को योजना के लिए पात्र पाए जाने पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राशन कार्ड संख्या 20000570325 को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में शामिल कर दिया। शिविर स्थल पर ही समस्या का समाधान होने से मुकेश और उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने राज्य सरकार, जिला प्रशासन तथा शिविर में मौजूद अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण सेवा शिविर ग्रामीणों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहे हैं। अब उन्हें अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

ग्रामीण सेवा शिविरों में 22 विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी ग्राम पंचायत स्तर पर उपस्थित रहकर विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित कार्यों का निष्पादन कर रहे हैं। इससे ग्रामीणों को एक ही स्थान पर अनेक सरकारी सेवाओं का लाभ मिल रहा है तथा विभिन्न विभागों के कार्यों का त्वरित निस्तारण संभव हो रहा है।शिविर में पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़,अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय आर्य तहसीलदार मंडावा डॉ. सुरेन्द्र भास्कर, विकास अधिकारी अमित चौधरी, सहायक विकास अधिकारी राजेश कुमार सैनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें। ग्रामीण सेवा शिविर के पहले ही दिन प्राप्त यह सफलता राज्य सरकार की जनहितैषी नीतियों और प्रशासन की जवाबदेह कार्यप्रणाली को दर्शाती है। शिविरों के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने, लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है।

बड़ाऊ में डीएसपी जुल्फिकार खान का भव्य स्वागत, 51 किलो की माला पहनाकर किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । निकटवर्ती ग्राम बड़ाऊ में डीएसपी जुल्फिकार खान के स्थानांतरण के अवसर पर ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामवासियों ने उन्हें 51 किलो की विशाल माला पहनाकर तथा साफा बांधकर सम्मानित किया। ग्रामीणों ने पुष्पमालाएं पहनाकर डीएसपी जुल्फिकार खान के कार्यकाल की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत और सम्मान से डीएसपी जुल्फिकार खान भावुक एवं अभिभूत नजर आए। उन्होंने ग्रामीणों के स्नेह और सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर फतेह सिंह बड़ाऊ, कुन्दन सिंह, नाबिल खान, जब्बार अली, महिपाल सिंह, आसु सिंह, आनन्द सिंह, रघुवीर सिंह, रफीक खान, सब्बीर खान, इस्पाक खान, शमशेर खान, दलीप सिंह, बन्ने सिंह, पूरण सिंह, किशन गुर्जर, सुरेश गुप्ता, महेश गुप्ता, बिहारी गुप्ता, इशब खान, इशाक खान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने डीएसपी जुल्फिकार खान के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके आगामी दायित्वों के लिए शुभकामनाएं दीं।

जल संघर्ष समिति की बैठक आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति उदयपुरवाटी जल संघर्ष समिति की संयुक्त बैठक शनिवार को दोपहर12:30 बजे भेरू घाट शारदा कला निकेतन उदयपुरवाटी मैं आयोजित होगी। इस मीटिंग में अत्यधिक भीषण गर्मी व पेयजल संकट से अत्यधिक परेशान क्षेत्र के लोगों के समक्ष पेयजल की समस्या का समाधान किया जाएगा।

शहीद स्मारक पर कारगिल शहीद दयाचंद जाखड़ को पुष्पांजलि की अर्पित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

कारगिल शहीद दयाचंद जाखड़ का 27वां शहादत दिवस उनके स्मारक शहीद दयाचंद राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रहनावा माधोपुरा में मनाया गया ।शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में आसपास के प्रबुद्ध नागरिकों ने शामिल होकर अपने लाडले को याद किया। कार्यक्रम में छाजूराम गढ़वाल सरपंच ग्राम पंचायत रहनावा, सहकारी सेवा समिति रहनावा अध्यक्ष धर्मवीर जाखड़, उप सरपंच भूपेन्द्र सिंह कूड़ी, सरपंच प्रत्याशी मामराज सिंह जोशवाल, पूर्व ब्लाक शिक्षा अधिकारी रामनिवास मील, हरफूल सिंह कूड़ी, सज्जन सिंह जाखड़, विकास खीचड़, पूर्व सैनिक वेलफेयर सोसायटी लक्ष्मणगढ़ अध्यक्ष रणजीत सिंह गढवाल, कैप्टन शिवराम सिंह ख्यालिया, सुबेदार जमालुद्दीन खान, सुबेदार समदर सिंह शेखावत, सुबेदार छोटू सिंह, ओमप्रकाश जाखड़, समदर सिंह जाखड़, राकेश जाखड़, डालूराम ओला, रामस्वरूप जाखड़, सुनील शर्मा, रजनीश जोसवाल, विद्यालय प्रधानाचार्या श्रीमती मनोज देवी सहित समस्त स्टाफ शहीद परिवार से वीरांगना विमला देवी शहीद पुत्र अनुराग जाखड़, प्रताप सिंह जाखड़, अंकित जाखड़ ,विनित जाखड़, विशाल जाखड़, उपस्थित रहें।वक्ताओं ने देशभक्ति गीत कविताओं के माध्यम से शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की।सीनियर नर्सिंग ओफीसर वीरेंद्र जाखड़ ने आभार व्यक्त किया।

सुबेदार जगमाल शर्मा की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर, 31 यूनिट रक्त संग्रहित

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी नगर।

हर्ष स्वामी । तातीजा ग्राम पंचायत की गलदरिया की ढाणी में शुक्रवार को सुबेदार जगमाल शर्मा की सातवीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं व ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 31 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी सुभाष कसाना थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में संत कुमार शर्मा, सुरेश शर्मा, मनोज कुमार, छोटेलाल, मुकेश कसाना मौजूद थे। सुभाष कसाना ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा महादान है, क्योंकि इससे किसी जरूरतमंद को नया जीवन मिल सकता है। युवाओं को नियमित रूप से रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए और समाज में जागरूकता बढ़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी की स्मृति को सेवा कार्यों से जोड़ना समाज के लिए प्रेरणादायक पहल है। कार्यक्रम आयोजक प्रितम शर्मा ने बताया कि स्वर्गीय सुबेदार जगमाल शर्मा की स्मृति को जनसेवा से जोड़ने के उद्देश्य से हर वर्ष सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। रक्तदान शिविर में झुंझुनूं की समर्पण ब्लड बैंक टीम के डॉ. रोहित सैनी, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. रमेश एवं डॉ. समीर ने 31 यूनिट रक्त संग्रहण किया। इस दौरान राकेश गुर्जर, मोजी खटाना, राजकुमार, राकेश, सुंदरलाल, रोशनलाल बोहरा सहित कई लोगों ने सूबेदार जगमाल शर्मा के चित्र समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजी दी।

श्रीयादे माटी कला बोर्ड की उपलब्धियों की पुस्तक माटी राजस्थान री का हुआ विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

राजस्थान सरकार के श्रीयादे माटी कला बोर्ड के दो वर्ष के सफल कार्यकाल एवं उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक का विमोचन पिलानी विधानसभा भाजपा प्रत्याशी राजेश दहिया एवं पूर्व भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा द्वारा दहिया के निवास डांगर कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी राजेश दहिया ने बोर्ड द्वारा माटी कला एवं कुम्हार समाज के उत्थान, पारंपरिक कला के संरक्षण तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बोर्ड के प्रयासों से प्रदेश के माटी कला से जुड़े कारीगरों को नई पहचान और प्रोत्साहन मिला है। इस दौरान भाजपा नगर मंडल उपाध्यक्ष राजेश वर्मा, पवन शर्मा , रामचंद्र शर्मा , मंडल कोषाध्यक्ष मुकेश जलेन्द्रा एवं भाजपा नगर मंडल के समस्त पदाधिकारी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शेखावाटी की बेटी निशा सैनी ने इटली में रचा इतिहास, विदेशी समुदाय प्रतिनिधि चुनाव में हासिल की जीत

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

शेखावाटी क्षेत्र की बेटी निशा सैनी ने इटली के पाडोवा शहर में आयोजित 'विदेशी समुदायों के प्रतिनिधि' (विदेशी समुदाय प्रतिनिधि) के चुनाव में 187 मतों से ऐतिहासिक जीत दर्ज कर भारत और शेखावाटी का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है।जानकारी के अनुसार निशा सैनी ने विदेशी समुदायों के प्रतिनिधित्व से जुड़े इस प्रतिष्ठित चुनाव में शानदार सफलता प्राप्त की। विशेष बात यह है कि इससे पूर्व उनके पति मनीष सैनी भी इसी सम्मानित पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अब निशा सैनी ने इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भारतीय समुदाय का मान बढ़ाया है। निशा सैनी की इस उपलब्धि को शेखावाटी सहित पूरे राजस्थान के लिए गौरवपूर्ण बताया जा रहा है। उनकी जीत की खबर मिलते ही क्षेत्रवासियों एवं समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें, उनके पति मनीष सैनी तथा परिवारजनों को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर जिले सिंह सैनी (सिंघाना), मांगेलाल सोलंकी, मांगेलाल सांखला, दीपु शेखावत, धर्मचंद तंवर, सुशील सैनी (चिड़ावा), धर्मवीर, नवरत्न नाथ, सम्पत जोधा, सुबोध सैनी, तुलसीराम सैनी, ख्याली सैनी, कुलदीप सैनी, बिजेंद्र सैनी, राजेश टांक, रघु सुरोलिया, लीलाधर सैनी, रमेश कुमार सैनी, बलबीर टांक, प्रेमसुख टांक, प्रमोद सैनी, जैनेंद्र सैनी एवं सतीश जांगिड़ सहित अनेक गणमान्य लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कुम्हार समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह 14 को, कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत होंगे मुख्य अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

माँ श्री यादे कुम्हार समाज लक्ष्मणगढ़ के तत्वावधान में 14 जून रविवार को कस्बे के महावीर जांगिड़ भवन में कुम्हार समाज की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते कार्यक्रम संयोजक मुकेश कुमावत ने बताया कि समारोह की तैयारियों को लेकर कुमावत भवन में बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। उन्होंने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत होंगे । जबकि उद्योगपति, समाजसेवी एवं भामाशाह मूलचंद कारगवाल, माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक एवं विधायक डूंगरराम गेदर सहित कई गणमान्य अतिथि होंगे। प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी मीटिंग में पूर्व शिक्षाधिकारी अर्जुनलाल वर्मा, प्रिंसिपल ताराचंद कुमावत, प्रिंसिपल हुकुमचंद कुमावत, अध्यापक धनाराम घस्सु, अध्यापक संदीप कुमावत, अध्यापक प्रेमचंद कुमावत, असिस्टेंट प्रोफेसर कुलदीप कुमावत, सांवरमल नीरानिया, कैलाश चंद कुमावत, शिक्षाविद लक्ष्मीनारायण कुमावत, केशरदेव तुनवाल,पार्षद प्रतिनिधि सुशील कारगवाल, नगरपालिका में पूर्व प्रतिपक्ष नेता संपत चेजारा, गिरीशकुमार कुदाल, हरिराम तुनवाल, व्यवसायी योगेश घासोलिया, पवन प्रजापत, सुनील कुमावत, हरिराम कुमावत, शशिप्रकाश नीरानीया, क्रिश होदकासिया, अरुण नीरानिया, पुरषोत्तम वर्मा, किशन वर्मा, जयकिशन कारगवाल, बनवारीलाल उजीवाल, महेश कुमार, शिवपाल प्रजापत, प्रकाश चंद, उजीवाल, अजयकुमार तुनवाल, पंकज कुमावत, ताराचंद चेजारा, महेंद्र उजीवाल, अकाउंटेंट पवन कुमावत, कमल कुमावत सहित समाज के प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

लापरवाही की 'बाढ़': हल्की बारिश में टापू बन रहा सिंघाना शहर

युवा सामाजिक कार्यकर्ता और नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डी पी सैनी के नेतृत्व में व्यापारियों ने अधिशासी अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

व्यापारियों का फूट पड़ा गुस्सा, आक्रोशित व्यापारियों ने दी अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

सात दिन में नाले की सफाई और जलभराव का स्थाई समाधान नहीं हुआ तो ठप होगा नगर पालिका का कामकाज।

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

नगर पालिका सिंघाना में चरमराई सफाई व्यवस्था और जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर स्थानीय व्यापारियों और आमजन का गुस्सा फूट पड़ा है। लंबे समय से प्रशासन की कथित अनदेखी से परेशान व्यापारियों ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। शुक्रवार को युवा सामाजिक कार्यकर्ता डी पी सैनी के नेतृत्व में आक्रोशित व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल नगर पालिका कार्यालय पहुंचा और अधिशासी अधिकारी जे के गोयल को एक सख्त चेतावनी भरा ज्ञापन सौंपा। सिंघाना पुलिस थाने से बाईपास तक नरक जैसे हालात ज्ञापन सौंपते हुए नगर कांग्रेस कमेटी सिंघाना के अध्यक्ष डी पी सैनी ने अधिशासी अधिकारी से स्पष्ट शब्दों में कहा कि नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस थाना सिंघाना के सामने से लेकर सिंघाना बाईपास एवं खेतड़ी रोड की तरफ जाने वाले बड़े नाले की लंबे समय से नियमित सफाई नहीं हुई है। इसका नतीजा यह है कि हल्की सी बरसात होते ही मुख्य सड़क दरिया बन जाती है। चारों तरफ कचरे और गंदगी के ढेर लगे हुए हैं, जिससे स्थानीय दुकानदारों का व्यापार पूरी तरह ठप हो गया है।

राहगीरों का निकलना दूभर, महामारी का खतरा

सड़कों पर जमा बदबूदार पानी और नाले की गंदगी के कारण आम जनता और राहगीरों का पैदल निकलना भी दूभर हो चुका है। व्यापारियों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि इस भयंकर गंदगी के चलते क्षेत्र में कभी भी कोई बड़ी महामारी फैल सकती है, लेकिन नगर पालिका प्रशासन इस गंभीर समस्या को लेकर उदासीन बना हुआ है।व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के सदस्य सुरेंद्र गुर्जर ने आरोप लगाया कि इस जन-समस्या को लेकर पूर्व में भी कई बार नगर पालिका प्रशासन को लिखित ज्ञापनों के माध्यम से अवगत कराने का प्रयास किया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई या सुनवाई नहीं हुई, जो कि बेहद चिंताजनक है।

सात दिन का अल्टीमेटमः समाधान नहीं तो? अनिश्चितकालीन धरना

ज्ञापन के माध्यम से नगर पालिका प्रशासन को अंतिम चेतावनी देते हुए सात दिवस का समय (अल्टीमेटम) दिया गया है। यदि आगामी सात दिनों के भीतर उक्त मार्ग के नाले की सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान नहीं किया गया, तो समस्त व्यापारी वर्ग और आमजन नगर पालिका कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को मजबूर होंगे। व्यापारियों ने साफ लफ्जों में चेतावनी दी है कि इस आंदोलन और अनिश्चितकालीन धरने से होने वाली किसी भी प्रकार की असुविधा, कानून व्यवस्था की स्थिति और जान-माल के नुकसान की समस्त जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी। ज्ञापन की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर (झुंझुनूं) और उपखंड अधिकारी (SDM, बुहाना) को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजी गई है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान ये रहे मौजूद

इस दौरान डी पी सैनी के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से सुरेंद्र गुर्जर, बाबुलाल कालोडिया, लालचन्द्र सैनी, सियाराम शर्मा, राजेश मीणा, विशाल गुर्जर, सुनील, आकाश सैनी, हिमांशु, प्रकाश, अजीत जांगिड़, नवीन, दीपक सैनी, राजू गराटी, रणजीत, राधेश्याम शर्मा, मुकेश कुमार, विक्रम सैनी, सज्जन गोयल, देवीसिंह भाटी, बजरंग कुमार, मनोज भार्गव, राकेश, मुकेश, जगमाल सिंह, प्रवीण, मुकेश सैनी, दीपचंद कुमार सैन, सुमित जांगिड़, रामकिशन, विनोद कुमार, मोहम्मद मुमताज, सतीश कुमार, रविकुमार, सीताराम, सुनील यादव सहित तीन सौ से अधिक व्यापारियों ने हस्ताक्षर कर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया।

विश्व रक्तदान दिवस पर लगेगा विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचन्द्र । विश्व रक्तदान दिवस एवं स्व. रामकुमार सामरिया (एक्स आरईएस) की 20वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 14 जून को विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर नगर पालिका के पास स्थित बजरंग मेडिकल, नीमराना में सुबह नौ बजे से शाम 5:30 बजे तक लगाया जाएगा। आयोजक डा. भोजराज सामरिया ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना तथा लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि 'एक बूंद शुद्ध रक्त, एक जीवन की आशा' के संदेश के साथ अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ललित यादव होंगे। अध्यक्षता डा. सुरेश यादव, मुख्य ब्लॉक स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी शाहजहांपुर-नीमराना करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में सुरेश खींची, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमराना तथा चारुल गुप्ता, डीएसपी नीमराना मौजूद रहेंगे। विशिष्ट अतिथियों में राजेश मीणा, थाना प्रभारी नीमराना, एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष नीमराना तथा डा. ज्ञानचंद, वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ, सतीश हॉस्पिटल नीमराना शामिल होंगे।

विधायक ललित यादव ने भंवर जितेंद्र के जन्मदिन पर की गौस्वामणी, गौशाला में गौसेवा का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नाघोड़ी-सिलारपुर गौशाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस नेता भंवर जितेंद्र सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर गौसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक ललित यादव गौशाला पहुंचे और गौमाता की पूजा-अर्चना कर गौस्वामणी की। विधायक ललित यादव ने गौशाला समिति के पदाधिकारियों और उपस्थित ग्रामीणों के साथ मिलकर गायों को हरा चारा, दलिया और गुड़ खिलाया। उन्होंने कहा कि गौसेवा मानवता की सच्ची सेवा है। गौमाता पर्यावरण संरक्षण और हमारी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा में अहम भूमिका निभाती है। भंवर जितेंद्र सिंह ने अपने केंद्रीय मंत्री कार्यकाल में पर्यावरण और संस्कृति के संरक्षण के लिए कई ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उनके जन्मदिन पर गौसेवा कर हम उनके विचारों और कार्यों को सम्मान दे रहे हैं। कार्यक्रम में गौशाला कमेटी के समस्त पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। आसपास के गांवों के सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी इस अवसर पर मौजूद रहे। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष, नगर कांग्रेस अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, युवा साथी तथा वर्तमान व पूर्व पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए और गौसेवा में भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण रहा। उपस्थित जनसमूह ने भंवर जितेंद्र सिंह के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

सीएसआईआर-सीईईआरआई (सीरी) ने विकसित की थनैला रोग की त्वरित जांच तकनीक

एमओयू हुआ हस्तांतरित 12 पीएलएन 1 पिलानी एमओयू हस्तानांतरण करते निदेशक

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीईईआरआई), पिलानी के वैज्ञानिकों ने डेयरी क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। संस्थान के वैज्ञानिकों ने डेयरी पशुओं में होने वाले थनैला (मास्टाइटिस) रोग की त्वरित और किफायती जांच के लिए एक पोर्टेबल 'रैपिड मिल्क मास्टाइटिस डिटेक्शन सिस्टम' (डिवाइस) विकसित किया है। इस तकनीक के व्यावसायिक स्तर पर विस्तार और ट्रांसफर के लिए एक विशेष कार्यक्रम के दौरान एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। इस विशेष अवसर पर सीरी के निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया, डॉ. नवजोत, एनआरडीसी के सीनियर मैनेजर संजीव कुमार मजूमदार और नवशाली इन्नोवातिओन्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मौजूद रहे, जिन्होंने आधिकारिक तौर पर एमओयू का स्थानांतरण किया।

क्यों जरूरी है यह तकनीक?

मास्टाइटिस (थनैला) डेयरी पशुओं में होने वाली एक बेहद सामान्य और गंभीर बीमारी है, जो न सिर्फ दूध के उत्पादन और उसकी गुणवत्ता को बुरी तरह प्रभावित करती है, बल्कि इसके इलाज का खर्च भी बहुत अधिक होता है। समय पर पहचान न होने के कारण पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। मास्टाइटिस होने पर दूध के आयनिक संतुलन और रासायनिक संरचना में बदलाव आता है। सीरी द्वारा विकसित यह उपकरण दूध में होने वाले इन्हीं विद्युत और रासायनिक परिवर्तनों को पकड़कर रोग की प्रारंभिक स्क्रीनिंग करने में पूरी तरह सक्षम है। डेयरी क्षेत्र के लिए गेम चेंजर: यह किफायती और किसान-अनुकूल तकनीक डेयरी किसानों, पशु चिकित्सकों, दुग्ध संग्रहण केंद्रों और डेयरी सहकारी समितियों के लिए एक बेहतरीन प्रथम-स्तरीय जांच उपकरण साबित होगी। इससे पशुओं का बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन होगा, दूध की गुणवत्ता सुरक्षित रहेगी और पशुपालकों को होने वाले आर्थिक नुकसान में भारी कमी आएगी।

मात्र 20 सेकंड में मिलेगी सटीक रिपोर्ट

स्वदेशी रूप से विकसित यह आधुनिक उपकरण इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसिंग तकनीक पर काम करता है। यह कच्चे दूध के नमूनों का विश्लेषण करके मात्र 20 सेकंड के भीतर जांच के परिणाम दे देता है। फील्ड स्तर पर उपयोग के लिए डिजाइन किया गया यह डिवाइस दूध की रिपोर्ट को तीन श्रेणियों में प्रदर्शित करता है जो कि स्वस्थ, संदिग्ध व मास्टाइटिस पॉजिटिव इस सरल और त्वरित परिणाम प्रणाली से पशुपालकों और डेयरी क्षेत्र के हितधारकों को अब लंबी प्रयोगशाला जांच का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और वे तुरंत सही निर्णय ले सकेंगे।

ग्रामीण सेवा शिविरों का पंचायती राज मंत्रालय कर्मचारियों ने किया बहिष्कार

मांगों को लेकर 1 जून से आंदोलनरत कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन, समाधान नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । पंचायती राज विभाग के मंत्रालय कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर चल रहे राज्यव्यापी आंदोलन के तहत अब राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविरों के बहिष्कार का ऐलान किया है। शुक्रवार को मंडावा ब्लॉक के मंत्रालय कर्मचारियों ने ग्रामीण सेवा शिविरों में कार्य नहीं करने को लेकर मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका को ज्ञापन सौंपा। ब्लॉक अध्यक्ष हरिओम ने बताया कि पंचायती राज विभाग के मंत्रालय कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर 1 जून से प्रदेश स्तर पर आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलन के तहत कर्मचारियों ने निर्णय लिया है कि जब तक सरकार उनकी मांगों का उचित समाधान नहीं करती, तब तक ग्रामीण सेवा शिविरों में सहयोग नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों के समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ है। इसी को लेकर प्रदेशभर के मंत्रालय कर्मचारियों में रोष है। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द वार्ता कर मांगों का समाधान करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान मंडावा ब्लॉक के मंत्रालय कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष हरिओम के साथ नरेंद्र कुमार मीणा, रविकांत मीणा, संदीप मीणा, अफरीद खान, राजीव चौधरी, सुशील सैनी, जोगिंदर सिंह तब्बसुम,रेणु, सुमन सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि मांगों के समाधान तक उनका आंदोलन जारी रहेगा और सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में असहयोग किया जाएगा।

होली चाइल्ड स्कूल गार्ड हत्या: कुछ ही घंटों में पुलिस ने किया खुलासा, माली और भाई गिरफ्तार, लाठी-पाइप बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल नीमराना में तैनात गार्ड सुभाषचन्द की सनसनीखेज हत्या का नीमराना पुलिस ने महज कुछ घंटों में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में स्कूल में ही माली का काम करने वाले रामप्रसाद और उसके भाई रामानंद को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में हत्या का कारण आपसी रंजिश सामने आया है। वारदात दिनांक 9 जून 2026 को मृतक के पुत्र पंकज कुमार पुत्र सुभाषचन्द्र, निवासी भुनगडा अहीर, थाना मुण्डावर ने नीमराना थाने में रिपोर्ट दी। उन्होंने बताया कि उनके पिता सुभाषचन्द्र होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल नीमराना में गार्ड की ड्यूटी करते थे। 8 जून की शाम करीब 5:30 बजे वह ड्यूटी पर गए थे, लेकिन अगली सुबह वापस नहीं लौटे। परिजनों ने तलाश की तो उनका शव स्कूल के सामने पड़ा मिला। मृतक के सिर और माथे पर चोट के निशान थे। जांच में सामने आया कि स्कूल में माली का काम करने वाले रामप्रसाद पर हत्या का शक है। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह आईपीएस के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमराना सुरेश कुमार खींची आरपीएस के निर्देशन में वृत्ताधिकारी नीमराना चारुल गुप्ता आरपीएस और प्रशिक्षु आरपीएस पल्लवी गुप्ता के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेश कुमार पु.नि. के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दस्तयाब कर लिया। कड़ी पूछताछ के बाद दोनों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपियों से हत्या के पीछे के कारणों और साजिश को लेकर गहन पूछताछ जारी है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी राजेश कुमार, उपनिरीक्षक दयाराम, एएसआई जोगेन्द्र, एएसआई राकेश कुमार और उनकी पूरी टीम का सहयोग रहा। एसपी सतवीर सिंह ने कहा कि कोटपूतली-बहरोड़ पुलिस अपराध और अपराधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम कर रही है।

गौ भक्त कमल पोद्दार का फिर छलका सेवा भाव, आपणी गौशाला को दी 20 लाख की एनिमल एम्बुलेंस की सौगात

भीम प्रज्ञा न्यूज.बिसाऊ।

जब बात गौ सेवा की आती है तो कुछ लोग केवल चर्चा करते हैं, जबकि कुछ अपने कर्मों से मिसाल कायम करते हैं। मुंबई प्रवासी उद्योगपति, चॉइस इंटरनेशनल के एमडी एवं प्रखर गौभक्त कमल पोद्दार ने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता और गौ सेवा के प्रति समर्पण का परिचय देते हुए आपणी गौशाला, बिसाऊ को अत्याधुनिक एनिमल एम्बुलेंस की सौगात दी है। करीब 17 से 20 लाख रुपये की लागत से उपलब्ध कराई गई यह एम्बुलेंस क्षेत्र के हजारों बेसहारा, घायल एवं बीमार गौवंश के लिए जीवन रक्षक साबित होगी। गौवंश की पीड़ा को समझते हुए कमल पोद्दार ने यह महत्वपूर्ण निर्णय उस समय लिया जब आपणी गौशाला के अध्यक्ष प्रमोद कसेरा, मुरारी जोशी, सचिव कमल जोशी, कोषाध्यक्ष कमल मिश्रा एवं परमेश्वर लाल प्रजापत ने गौवंश सेवा से जुड़ी आवश्यकताओं पर चर्चा करते हुए उनसे पशुओं के त्वरित उपचार एवं सुरक्षित परिवहन के लिए एम्बुलेंस की आवश्यकता साझा की। गौसेवा के प्रति सदैव तत्पर रहने वाले पोद्दार ने बिना किसी विलंब के इस मांग को स्वीकृति प्रदान कर दी।गौशाला समिति के अनुसार यह एनिमल एम्बुलेंस अब घायल, दुर्घटनाग्रस्त एवं बीमार पशुओं तक समय पर चिकित्सा सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे न केवल गौवंश की जान बचाई जा सकेगी, बल्कि उपचार की प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी और व्यवस्थित होगी।कमल पोद्दार की इस अनुकरणीय पहल ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सच्ची गौ सेवा केवल भावनाओं तक सीमित नहीं होती, बल्कि जरूरत के समय किए गए सार्थक कार्यों से उसकी पहचान बनती है। उनकी इस सेवा भावना के लिए गौशाला समिति, गौ भक्तों एवं क्षेत्रवासियों ने हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उन्हें गौ सेवा का सच्चा प्रहरी बताया।

जहां संवेदना सेवा बन जाए, वहीं से समाज में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत होती है कमल पोद्दार की यह सौगात उसी भावना का जीवंत उदाहरण है। आपणी गौशाला की ओर से मैं गौभक्त कमल पोद्दार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। गौवंश की बढ़ती संख्या और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की आवश्यकता को देखते हुए एनिमल एम्बुलेंस की लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही थी। कमल पोद्दार ने हमारी बात को गंभीरता से समझते हुए तुरंत यह सहयोग प्रदान किया, जो उनके गौसेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है। यह एम्बुलेंस घायल, बीमार एवं बेसहारा गौवंश के लिए जीवनदायिनी साबित होगी और समय पर उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उनका यह योगदान आने वाले वर्षों तक गौ सेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी उदाहरण बना रहेगा। गौशाला अध्यक्ष प्रमोद कसेरा

गोठड़ा में राजस्व शिविर का हुआ आयोजन, विधायक धर्मपाल गुर्जर ने किया उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । ग्राम पंचायत गोठड़ा में राजस्व एवं जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक इंजी धर्मपाल गुर्जर ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच सरती देवी ने की। इस अवसर पर एसडीएम सुनील चौहान, बीडीओ महेंद्र सिंह कुमावत, नायब तहसीलदार प्यारेलाल चावला, ग्राम विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह खटाना, पटवारी वीरेंद्र यादव, समाजसेवी हरिराम गुर्जर एवं साधुराम मुक्कड़ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के शुभारंभ के बाद विधायक धर्मपाल गुर्जर ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने मौके पर ही आमजन की समस्याओं का समाधान कर लाभ प्रदान किया।चिकित्सा विभाग द्वारा लोगों की स्वास्थ्य जांच कर निशुल्क परामर्श दिया गया। पशुपालन विभाग ने 271 पशुपालकों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया तथा 58 पशुओं का मंगला पशु बीमा किया गया। ऊर्जा विभाग ने 13 प्रकरणों का निस्तारण किया। पालनहार योजना के तहत एक पात्र लाभार्थी को लाभान्वित किया गया तथा आईसीडीएस विभाग द्वारा 45 महिलाओं को योजनाओं का लाभ दिया गया। राजस्व विभाग ने रास्ता संबंधी दो प्रकरणों का निस्तारण किया, जबकि जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के 9 आवेदन जारी किए गए। विवाह पंजीकरण के 5, नामांतरण के 2 तथा खाता शुद्धिकरण के प्रकरणों का भी निस्तारण किया गया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 5 शौचालयों की स्वीकृति प्रदान की गई। वन विभाग द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।शिविर के दौरान आईसीडीएस विभाग की ओर से गोद भराई संस्कार कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें जन्नत बानो, पूजा एवं ममता की रस्में संपन्न करवाई गईं। ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाया और प्रशासनिक सेवाओं की सराहना की।

मंडावा में शहरी सेवा शिविर का शुभारंभ, एक ही छत के नीचे मिल रहा योजनाओं का लाभ

12 जून से 15 जुलाई तक चलेंगे शिविर, भूमि, आवास, पट्टा व नामांतरण सहित लंबित मामलों के निस्तारण को मिली गति

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित शहरी सेवा शिविर-2026 के तहत शुक्रवार को मंडावा नगरपालिका परिसर में विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन नगरपालिका प्रशासन की मौजूदगी में हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा अपने लंबित कार्यों के समाधान के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी लोकेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 12 जून से 15 जुलाई 2026 तक आयोजित किए जा रहे इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ घर के निकट एवं सरल प्रक्रिया के माध्यम से उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है तथा नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि शिविर में पानी, बिजली, सड़क, साफ-सफाई, पट्टा, नामांतरण, भवन स्वीकृति, फ्री-होल्ड, कब्जा नियमन, भू-उपयोग परिवर्तन, उप-विभाजन तथा आवास संबंधी मामलों का निस्तारण किया जा रहा है। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध होने से लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

विशेष छूटों का मिल रहा लाभ

शिविर में नागरिकों को राज्य सरकार द्वारा दी जा रही विभिन्न रियायतों और विशेष छूटों का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार बकाया लीज राशि के ब्याज पर 100 प्रतिशत तक की छूट, अग्रिम लीज पर मूल बकाया राशि में 60 प्रतिशत तक की राहत, नामांतरण शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आमजन ने जताया संतोष

शिविर में पहुंचे लोगों ने बताया कि एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं मिलने से समय और धन दोनों की बचत हो रही है। लोगों ने राज्य सरकार और नगरपालिका प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए इसे आमजन के लिए लाभकारी बताया। शिविर के दौरान अधिशासी अधिकारी लोकेन्द्र सिंह शेखावत, वरिष्ठ प्रारूपकार आनंद सोलंकी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं नगरपालिका स्टाफ उपस्थित रहा। अधिकारियों ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में पहुंचकर राज्य सरकार द्वारा दी जा रही रियायतों और सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की।इस दौरान मंडावा तहसीलदार डॉ सुरेंद्र भास्कर ने आयोजित शिविर में पहुंचकर व्यवस्थाओं और कार्यों की निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

ऑनलाइन स्वीकार किए जा रहे आवेदन

नगरपालिका प्रशासन ने बताया कि शिविर में सभी आवेदन ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से स्वीकार किए जा रहे हैं। यदि कोई नागरिक ऑफलाइन आवेदन लेकर पहुंचता है तो निकाय स्तर पर उसे ऑनलाइन दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति दोनों सुनिश्चित हो रही हैं।

लंबित मामलों के निस्तारण को मिली रफ्तार

शिविर के दौरान कई वर्षों से लंबित भूमि एवं आवास संबंधी मामलों के समाधान की प्रक्रिया को गति मिली है। नागरिकों ने कब्जा नियमन, कच्ची बस्ती नियमन, दुकान फ्री-होल्ड तथा पट्टा संबंधी मामलों के आवेदन प्रस्तुत किए, जिन पर त्वरित कार्रवाई शुरू की गई।

अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मित्तल ने शोक सभा में शामिल होकर वंशिका गर्ग को दी श्रद्धांजलि व जताई संवेदना

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल ने जयपुर में आयोजित स्व. वंशिका गर्ग की शोक सभा में सम्मिलित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। इस अवसर पर मित्तल ने वंशिका गर्ग के पिता मनीष गर्ग एवं परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि इस दुःख की घड़ी में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं सम्पूर्ण अग्रवाल समाज परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। मित्तल ने विश्वास दिलाया कि बेटी वंशिका को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे तथा दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने हेतु समाज पूरी मजबूती से आवाज उठाएगा। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा इस जघन्य अपराध के दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई नहीं की जाती है तो समाज न्याय की मांग को लेकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन का मार्ग अपनाने पर भी विचार करेगा। शोक सभा में राष्ट्रीय मंत्री दामोदर अग्रवाल, पूर्वी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष अशोक गर्ग, महामंत्री गोपाल पावटा पूर्वी राजस्थान युवा अध्यक्ष रोहित गर्ग, प्रदेश युवा महामंत्री संदीप बजाज, जिलाध्यक्ष अनिल तोदी ,मणिशंकर खेतान, लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला, सुरेंद्र अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, जयपुर जिला टीम के पदाधिकारी और समाजबंधुओं सहित प्रदेशभर के बंधुओं ने भी स्व. वंशिका गर्ग को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की मांग की।

बऊधाम की लाडो करेगी अंडर 18 वर्ल्ड चेम्पियनशीप में भारत का प्रतिनिधित्व

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

ग्राम बऊ धाम की लाडो रजनीश नैण पुत्री रामगोपाल नैण का स्कूल वालीबॉल की अंडर 18 वर्ल्ड चैंपिनयशिप मे चयन हुआ है। चैम्पियनशिप 1 जुलाई से 10 जुलाई तक चाइना (चीन) में खेली जाएगी। छात्रा खिलाड़ी रजनीश राजस्थान से चयनित होने वाली एक मात्र खिलाड़ी है। यह जानकारी देते हुए रजनीश के चाचा पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि मनोहर नैण ने दी।

पीपली के विनोद कठानियां को मिली पीएचडी की उपाधि

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनू।

गांव पीपली निवासी विनोद कठानियां को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा डॉक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विनोद कठानियां ने अपना शोध कार्य डूंगर कॉलेज (जीसीआरसी) के प्रोफेसर डॉ. हेमेंद्र सिंह भंडारी के निर्देशन में पूर्ण किया। उनके शोध का विषय 'इन्वेस्टिगेशन ऑन मेटल डॉप्ड डाई सिस्टम इन सोलर सेल' रहा, जिसमें सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान पर विशेष कार्य किया गया। शोध कार्य की उत्कृष्टता और नवाचार के आधार पर उन्हें पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया। विनोद कुमार ने अपनी शोध थीसिस अपने पूज्य पिता स्वर्गीय फूलचंद मास्टर जी को समर्पित की है। इस उपलब्धि को उन्होंने अपने परिवार, गुरुजनों और क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य चंद्रशेखर सुनिया, मंजू देवी, सीओ स्काउट महेश कालावत, स्काउट सचिव रामचंद्र मीणा सहित समाज के गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए विनोद कठानियां को शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है और उच्च शिक्षा व अनुसंधान के प्रति नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

अंतरराष्ट्रीय वालीबॉल खिलाड़ी अर्जुन पुरस्कार विजेता सुरेश मिश्रा ने सपरिवार उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से की मुलाकात

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

अंतरराष्ट्रीय वालीबॉल खिलाड़ी अर्जुन पुरस्कार विजेता सुरेश मिश्रा ने परिवार सहित दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर खेल जगत, खिलाड़ियों के भविष्य एवं देश में खेलों को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। इस अवसर पर शिष्टाचार मुलाकात के दौरान अर्जुन पुरस्कार विजेता सुरेश मिश्रा के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती इंदु मिश्रा, पुत्र एडवोकेट आनंद मिश्रा एवं पुत्रवधू भाग्यश्री उपस्थित रहे।श्री मिश्रा ने उपराष्ट्रपति को अपने खेल जीवन के अनुभवों से अवगत कराते हुए देश के विभिन्न राज्यों में खेलों को बढ़ावा देने, नई खेल प्रतिभाओं को पहचानने तथा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे

प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की।उन्होंने बताया कि देश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता है तो उन्हें सही मार्गदर्शन, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं और उचित मंच उपलब्ध कराने की। उन्होंने ग्रामीण एवं छोटे शहरों से निकलने वाली प्रतिभाओं को आगे लाने पर भी अपने विचार साझा किए।

चर्चा के दौरान वर्तमान समय में भारतीय खेलों में हो रहे सकारात्मक बदलाव, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों के बढ़ते प्रदर्शन एवं खेल संस्कृति को मजबूत करने के विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ।उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने खेलों को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए खिलाड़ियों के योगदान की सराहना की। उन्होंने खेल एवं खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव सहयोग एवं प्रोत्साहन देने का आश्वासन दिया।श्री मिश्रा ने उपराष्ट्रपति का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन देश के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है।यह मुलाकात खेल जगत को नई ऊर्जा देने वाली एवं युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल रही।

स्वास्थ्य मंत्री आरती के प्रयासों से अटेली अस्पताल मेदांता अस्पताल की सुविधाओं का एमओयू होने पर लोगों में खुशी

इस पहल से क्षेत्र में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार होगा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली

अटेली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के अपग्रेडेशन और संचालन को मजबूत करने के लिए मेदांता फाउंडेशन -पुअर एंड नीडी पेशेंट्स वेलफेयर ट्रस्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ होने पर स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के कार्यालय में शुक्रवार को भाजपा के कार्यकर्ताओं ने बैठक कर लड्डू बांटकर खुशियां मनायी। इस मौके पर अटेली नपा चेयरमैन, सरपंच, पार्षद सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के पीए विकास यादव व गोविंद ने बताया

कि स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों से मेदांता अस्पताल से एमओयू पर हस्ताक्षर हुए है। समझौते के बाद स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव तथा मेदांता फाउंडेशन के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ नरेश त्रेहन इस एमओयू को एक्सचेंज किया। नपा चेयरमैन विकास यादव ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस एमओयू को प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने सरकार और मेदांता के इस सहयोग की सराहना करते हुए बताया कि यह सहयोग सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। क्षेत्र में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार होगा और लोगों को अपने घर के नजदीक ही बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। असिस्टेंट कमांडेंट सतीश कुमार ने बताया कि इस साझेदारी के तहत अटेली के स्वास्थ्य केंद्र को 50 बिस्तरों वाले उप-मंडल अस्पताल (सब-डिविजनल हॉस्पिटल) के रूप में अपग्रेड किया जाना प्रस्तावित है। फाउंडेशन एक स्वीकृत सेवा प्रदाता के माध्यम से स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट और रेडियोलॉजिस्ट सहित विशेषज्ञ चिकित्सा जनशक्ति की उपलब्धता भी सुनिश्चित करेगा।

नगरपालिका द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविर में हुआ जनकल्याणकारी शिकायतों का निराकरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार शुक्रवार से शुरू हुए शहरी सेवा शिविर में जनकल्याणकारी शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। यह जानकारी देते हुए नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी नवनीत कुमार ने बताया कि शिविर में कृषि भूमि का एक पट्टा जारी किया गया। जबकि राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 क के अधिन कृषि भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग के 02 आवेदनों का निस्तारण किया गया। शिविर में 09 जन आधार कार्ड संबंधित मामलों का मौक़े पर निस्तारण किया गया।इसी तरह जन्म मृत्यु और विवाह पंजिकरण के सर्वाधिक 14 आवेदनों का मौक़े पर निस्तारण कर प्रमाण पत्र जारी किए गए। उन्होंने बताया कि शिविर में 06 नये आधार कार्ड बनाए गए जबकि स्ट्रीट लाइट से संबंधित 02 शिकायतों का तत्काल निराकरण किया गया। शिविर में पालिका को 8 लाख 59 हजार 830 रूपये की आय हुई।

श्री रामदेवरा भक्तगण संघ यात्रा रामदेवरा धाम रवाना

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

शहर के बाई का बास ग्राम से श्री रामदेवरा भक्तगण संघ चौमूं बाबा रामदेवरा धाम जैसलमेर के लिए यात्रा रवाना हुई। बाई का बास सरपंच प्रशासक सुल्तान बुनकर एवं समाजसेवी सुखाराम डूंडलोदिया ने यात्रा को रवाना किया। बलाई विकास समिति जयपुर के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, कोषाध्यक्ष नानगराम लूणीवाल, उपाध्यक्ष कालूराम सामरिया, सदस्य गुलाबनाथ बुढगाया, समाजसेवी लालाराम महरडा, गणेश नारायण बगवाडिया, रामगोपाल डोई, किशनलाल चिराणिया, रामस्वरूप गोठवाल, रामप्रसाद बाण्या, सरजू देवी, सुगना देवी, मंजू देवी, मीरा देवी, विमला देवी, कलावती देवी आदि यात्री रवाना हुए।

अनारकौर अस्पताल मंडी अटेली में निःशुल्क लीवर जांच , शिविर में 50 की हुई जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अनारकौर अस्पताल मंडी अटेली में निःशुल्क एलएफटी (लिवर जांच) शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 50 से अधिक लोगों के निःशुल्क जांच हुई। अनारकौर अस्पताल के डा. अनिल यादव ने बताया कि व्यक्ति के शरीर में लीवर महत्वपूर्ण अंग होता है। लिवर स्वस्थ रेख व स्वस्थ जीवन की ओर बढ़े। उन्होंने बताया कि शिविर का उद्देश्य लोगों को लिवर के प्रति जागरूक करना है। वैसे आम तौर पर जांच महंगी होती है लेकिन लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए आज निःशुल्क जांच की गई है। लोग समय- समय पर अपने शरीर की जांच करवाते रहना चाहिए।

मंडावर के मुख्य प्रवेश द्वार स्थित बेटी चौक पर विधायक राजेन्द्र मीना ने फहराया विशाल तिरंगा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर शहर के नए बस स्टैंड स्थित मुख्य प्रवेश द्वार पर बने बेटी चौक पर शुक्रवार सुबह राष्ट्र गौरव का प्रतीक विशाल तिरंगा शान से लहराया गया। महवा विधायक राजेन्द्र मीना ने सुबह 8:30 बजे ध्वजारोहण कर इस बहुप्रतीक्षित सौगात का शुभारंभ किया। लंबे समय से मंडावर में बड़े नगरों की तर्ज पर विशाल राष्ट्रीय ध्वज स्थापना की मांग उठ रही थी, जिसे अब साकार रूप मिल गया है। कार्यक्रम में विधायक राजेन्द्र मीना के साथ भाजपा मंडल मंडावर के महामंत्री सोनू वशिष्ठ, ईओ सुमेरसिंह मीना तथा पालिका जेईएन मिथलेश मीना भी मौजूद रहे। बेटी चौक पर स्थापित यह विशाल तिरंगा अब केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि मंडावर की नई पहचान बनकर उभरेगा। शहर के मुख्य प्रवेश मार्ग पर दूर से दिखाई देने वाला यह राष्ट्रीय ध्वज आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को राष्ट्रभक्ति, एकता और सम्मान का संदेश देगा। ग्रामीण अंचल में अक्सर कहा जाता है कि 'जहां तिरंगा ऊंचा लहराता है, वहां देशभक्ति का मान और जनमानस का सम्मान स्वतः बढ़ जाता है।' मंडावर में भी यही तस्वीर दिखाई दी, जहां लोगों ने इस पहल

तिरंगा ध्वज शिलापट्टीका का उद्घाटन करते हुये विधायक

का स्वागत करते हुए इसे शहर के गौरव से जोड़ा। इस अवसर पर विधायक राजेन्द्र मीना ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है तथा इसका सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में उन्होंने महवा विधानसभा क्षेत्र में विकास और सामाजिक सौहार्द को प्राथमिकता दी है तथा भजनलाल सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजनीति में कटुता के बजाय जनसेवा का मार्ग अपनाया है और पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर सभी लोगों के कार्य करवाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजकीय कार्यालयों में आने वाले परिवादियों और आमजन के साथ शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार करते हुए उनके जायज कार्यों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

विधायक राजेन्द्र बोले– मंडावर में विकास की गंगा बहेगी

विधायक राजेन्द्र मीना ने कहा कि विशाल तिरंगे के फहराने के साथ मंडावर में विकास कार्यों को भी नई गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पूर्व की व्यवस्थागत कमियों को दूर करते हुए सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि किसानों के हितों की रक्षा और नकली खाद-बीज के खिलाफ कार्रवाई सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि भजनलाल सरकार और कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना के नेतृत्व में महवा को जिला बनाने का संकल्प भी पूरा होगा। कार्यक्रम के दौरान विधायक राजेन्द्र मीना का भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने फलों से तौलकर अभिनंदन किया। फल-फ्रूट संघ बस स्टैंड, सब्जी मंडी संघ बस स्टैंड तथा टैम्पो यूनियन सहित विभिन्न संगठनों ने माला और दुपट्टा पहनाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में मंडावर थाना पुलिस के जवानों ने मुस्तैदी से यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था संभाली।इस अवसर पर मंडावर भाजपा मंडल के समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ताओ सहित रोशन टहलडी, सतीश नौरंगपुरा, श्याम जैन, एमडी शर्मा, विजय झालानी, मनीष दुसाद, चन्दू ठाकुरिया, लल्लू सरपंच, भरतलाल सरपंच, रोहिताश बागडी, अजय झालानी, सतीश सैनी, संतोष महतं, कृष्णमोहन शर्मा, महेश जांगिड, नेमीचंद पहाडिया सरपंच आदि सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व क्षेत्र के आमजन मौजूद रहे।

पानी को तरसे सायपुर के लोग, टंकी पर चढ़ा आक्रोश; पांच दिन में समाधान के आश्वासन पर उतरे ग्रामीण

नल कनेक्शन के लिए 9200 रुपए की डिमांड राशि पर भड़के ग्रामीण, बोले– हर घर नल योजना का लाभ गरीबों तक पहुंचे।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । भीषण गर्मी और पेयजल संकट से जूझ रहे नगरपालिका क्षेत्र के सायपुर-पाखर के ग्रामीणों का सब्र शुक्रवार को जवाब दे गया। कई दिनों से घरों के नलों में पानी नहीं आने और नई पाइपलाइन से कनेक्शन नहीं मिलने से नाराज महिला-पुरुष बड़ी संख्या में एकजुट होकर पाखर द्वितीय स्थित जलदाय विभाग के पंप हाउस पहुंचे और वहां बनी विशाल पानी की टंकी पर चढ़कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना था कि जब प्यास बुझाने हेतु पानी ही न मिले तो फिर मजबूरी में आवाज बुलंद करनी ही पड़ता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पूर्व से संचालित जलदाय विभाग के कनेक्शनों में कई दिनों से जलापूर्ति बंद है, जिससे पीने के पानी से लेकर घरेलू कार्यों और मवेशियों के लिए भी संकट खड़ा हो गया है। हालात ऐसे हैं कि लोगों को दूर-दराज से सिर पर पानी ढोकर

विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणो से समझाईश करते अधिकारी व पुलिस

लाना पड़ रहा है, जबकि कई परिवार महंगे दामों पर पानी के टैंकर मंगाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व शहरी जल योजना के तहत सायपुर गाँव में नई पाइपलाइन बिछाई गई थी, लेकिन आज तक जलदाय विभाग के द्वारा एक भी परिवार को उससे नल कनेक्शन जारी नहीं किया गया।

ग्रामीणों का आक्रोश इस बात को लेकर भी था कि नए कनेक्शन के लिए लगभग 9200 रुपए की डिमांड राशि जमा कराने की शर्त रखी जा रही है। उनका कहना था कि मजदूर, किसान और गरीब परिवारों के लिए इतनी बड़ी राशि जमा कर पाना आसान नहीं है। उन्होंने मांग की कि सरकार की हर घर नल योजना की भावना के अनुरूप डिमांड राशि कम कर ग्रामीणों को राहत दी जाए तथा जब तक नए कनेक्शन नहीं दिए जाते, तब तक जलदाय विभाग वैकल्पिक व्यवस्था कर नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करे। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही जलदाय विभाग के एईएन भूपेन्द्र मीना, मंडावर नायब तहसीलदार संग्रामसिंह तथा मंडावर पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने काफी देर तक ग्रामीणों से समझाइश की, लेकिन लोग अपनी मांगों पर अड़े रहे। आखिरकार एईएन भूपेन्द्र मीना ने उच्चाधिकारियों से चर्चा के बाद पांच दिनों के भीतर वैकल्पिक जल व्यवस्था उपलब्ध कराने तथा सायपुर में नहर के पास स्थित पुरानी बोरिंग से लाइन जोड़कर पानी की सुविधा शुरू कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने अपनी शिकायत लिखित रूप में सौंपते हुए विरोध प्रदर्शन समाप्त किया। हालांकि ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि तय समय में समाधान नहीं हुआ तो पानी की इस जायज मांग को लेकर आंदोलन और अधिक उग्र रूप ले सकता है। ग्रामीणों का कहना था कि 'पानी जीवन की पहली जरूरत है, और जब बूंद-बूंद के लिए संघर्ष करना पड़े तो आवाज उठाना भी अधिकार बन जाता है।' विरोध प्रदर्शन के दौरान भगवान सेठी, रामोतार गुर्जर, रणवीर गुर्जर, विष्णु सैन, सियाराम शर्मा, रामभरोसी मीना, सुरेन्द्र मीना, पूरणमल मीना, रघुवीर राजपूत, महेन्द्र गुर्जर, तेजसिंह गुर्जर सहित मोहरादेवी, फूलवती देवी, वीरोदेवी, शकुंतला देवी मीना, कश्मीरा देवी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

इनका कहना है कि...

सायपुर गांव में शहरी जल योजना के तहत पेयजल पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। चूंकि उक्त गांव नगरपालिका क्षेत्र मंडावर के अंतर्गत आता है, इसलिए शहरी क्षेत्र के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार नए नल कनेक्शन ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित डिमांड राशि जमा होने के बाद ही जारी किए जा सकते हैं। वर्तमान में इस पाइपलाइन से अभी तक किसी उपभोक्ता द्वारा कनेक्शन नहीं लिया गया है, जिसके कारण नियमित जलापूर्ति प्रारंभ नहीं हो सकी है। ग्रामीणों द्वारा अपनी समस्याओं एवं मांगों की लिखित शिकायत सौंपा गया है, जिसे उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा। आगामी निर्णय विभागीय एवं शासन स्तर के निर्देशों के अनुसार लिया जाएगा।

भूपेन्द्र मीना, सहायक अभियंता, जलदाय विभाग, मंडावर।

जनसमस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: सुभाष बराला

केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों की भी दी जानकारी, जनहित योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचाने पर दिया जोर

राज्यसभा सांसद ने आवास पर सुनीं जनशिकायतें, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शुक्रवार को अपने निवास स्थान पर क्षेत्र के नागरिकों, सामाजिक प्रतिनिधियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न गांवों और शहरी क्षेत्रों से आए लोगों ने पेयजल, बिजली, सड़क, सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा राजस्व विभाग से संबंधित समस्याएं सांसद के समक्ष रखीं। सुभाष बराला ने शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से बातचीत की और मामलों का पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सुशासन की वास्तविक पहचान नागरिकों को

समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान करने में है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की साझा जिम्मेदारी है कि किसी भी व्यक्ति को अपने वैध कार्यों के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े तथा प्रत्येक शिकायत का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। सांसद ने केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने आधारभूत ढांचे, डिजिटल सेवाओं, सामाजिक सुरक्षा, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों का उद्देश्य केवल विकास कार्यों को गति देना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें सशक्त बनाना है। सांसद ने कहा कि जनता का विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है और उनकी समस्याओं का समाधान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को आगे भी पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ गति दी जाती रहेगी। सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है और इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से सरकार की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर दमकौरा स्टेडियम आयोजित किया जाएगा पौधारोपण कार्यक्रम

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला करेंगे पौधारोपण कार्यक्रम की शुरुआत

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

केंद्र सरकार के गौरवमयी 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शनिवार, 13 जून को सुबह 9 बजे दमकौरा खेल स्टेडियम में वन विभाग द्वारा एक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण को समर्पित इस कार्यक्रम में माननीय राज्यसभा सांसद सुभाष बराला मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और स्वयं पौधा लगाकर इस अभियान की शुरुआत करेंगे।वन विभाग आरएफओ कश्मीर सिंह ने बताया केंद्र सरकार के गौरवमयी 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वन विभाग द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का किया जाएगा। जिसमें राज्यसभा सांसद सुभाष बराला और क्षेत्र के खिलाड़ी व गणमान्य लोग पौधरोपण करेंगे। कार्यक्रम को लेकर वन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उन्होंने बताया स्टेडियम परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों को हरा-भरा बनाने के लिए विभिन्न प्रजातियों के छायादार और फलदार पौधे लगाए जाएंगे। कार्यक्रम में आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जायगा और गिरते भूजल स्तर व बढ़ते तापमान जैसी गंभीर समस्याओं से निपटने के लिए प्रेरित किया जायेगा।

निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर पर ऑनलाइन ट्रेनिंग आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में शुक्रवार को एक ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. विवेक भारती, सीटीएम एवं एसडीएम गौरव गुप्ता, चुनाव नायब तहसीलदार राज कुमार सहित संबंधित अधिकारी लघु सचिवालय स्थित वीसी सभागार से शामिल हुए। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. विवेक भारती ने सभी संबंधित अधिकारियों को आयोग के निर्देशों के अनुरूप विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्रुटिरहित एवं अद्यतन मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा प्रत्येक पात्र नागरिक की चुनावी भागीदारी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रशिक्षण के दौरान आयोग के अधिकारियों ने विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया, उद्देश्यों एवं निर्धारित समय-सीमा के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन कार्य को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। ट्रेनिंग में पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, अपात्र प्रविष्टियों को हटाने, मतदाता विवरण में आवश्यक संशोधन करने तथा निर्वाचन नामावली की गुणवत्ता सुनिश्चित करने से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। इस कार्य में डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं निर्धारित प्रपत्रों के प्रभावी उपयोग के संबंध में भी जानकारी दी गई।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार जीती वनडे सीरीज

मीरपुर (बांग्लादेश) (एजेंसी)। बांग्लादेश ने बृहस्पतिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीत ली। बारिश के कारण खेल ढाई घंटे रुका रहा जिससे डकवर्थ लुईस पद्धति के अनुसार बांग्लादेश को जीत के लिए 41 ओवर में 192 रन का लक्ष्य मिला। बांग्लादेश ने 6 ओवर रहते पांच विकेट पर 195 रन बनाकर तीन मैच की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। तीसरा और आखिरी मैच रविवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और उसने बिना कोई रन बनाए ही तीन विकेट गंवा दिए। फिर मार्नस लाबुशेन (नाबाद 55 रन) और जेवियर बार्टलेट (52 रन) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत टीम 42 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन के स्कोर तक पहुंच सकी। बांग्लादेश ने इसी मैदान पर डकवर्थ लुईस पद्धति से पहला मैच 86 रन से जीता था। टीम ने उस टीम में एकमात्र बदलाव करते हुए सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार को अंतिम एकादश में जगह दी। उन्होंने और नजमुल हुसैन शांटो ने 42-42 रन बनाए जबकि तौहीद हृदय 55 गेंद पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे।

शांटो और सरकार ने 86 रन की साझेदारी करके टीम को संभाला। 27वें ओवर में बांग्लादेश पांच विकेट पर 144 रन के स्कोर पर लड़खड़ा गया था, लेकिन हृदय और कप्तान मेहदी हसन मिराज ने नाबाद 51 रन की अटूट साझेदारी करके सीरीज में ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। मैच खत्म होने से ठीक पहले नाथन एलिस की एक गेंद मेहदी के हेलमेट पर लगी जिससे वह घुटनों के बल गिर गए और उन्हें उल्टी हुई। मेहदी ने स्ट्रेचर लेने से इनकार कर दिया और खेलना जारी रखा। लेकिन शांटो ने बताया कि बाद में उन्हें निगरानी के लिए अस्पताल ले जाया गया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और मैथ्यू शॉर्ट वनडे में लगातार तीसरी बार बिना खाता खोले आउट हो गए। उसके बाद कूपर कोनोली और मैट रेनशॉ भी शून्य पर आउट हो गए। वनडे इतिहास में यह केवल चौथी बार था जब किसी टीम ने बिना कोई रन बनाए अपने शुरुआती तीन विकेट गंवा दिए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने 27 रन देकर तीन विकेट और तास्किन अहमद ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने 68 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। बल्लेबाजी क्रम में सातवें नंबर पर उतरे

लाबुशेन और बार्टलेट ने 103 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला। लाबुशेन ने 14 पारियों के बाद अपना पहला वनडे अर्धशतक लगाया। उन्हें तनवीर इस्लाम ने जीवनदान दिया जब उन्होंने महज एक रन बनाया था।

जसपाल राणा की अनकही दास्तां, निशानेबाजी के महानायक के निधन से शोक की लहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने वाले दिग्गज निशानेबाज और कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से भारतीय खेल जगत, विशेषकर शूटिंग समुदाय में गहरा शोक व्याप्त है। राणा लंबे समय से हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और हाल ही में उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल सूत्रों के अनुसार सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एक जून को नई दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां जांच में हृदय की धमनियों में रुकावट पाई गई। हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित विश्व कप प्रतियोगिता से भारतीय दल के साथ लौटते समय भी उनकी तबीयत बिगड़ी थी। उपचार और स्टेंट डाले जाने के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई गई थी, लेकिन बाद में स्वास्थ्य में गिरावट आने से शुक्रवार तड़के उनका निधन हो गया।

जसपाल राणा भारतीय निशानेबाजी के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्होंने देश को विश्व मंच पर पहचान दिलाई। उन्होंने महज 12 वर्ष की उम्र में अपना पहला राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने चार राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेते हुए नौ स्वर्ण सहित कुल 15 पदक अपने नाम किए। वर्ष 1994 के एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनके करियर का सबसे यादगार प्रदर्शन 2006 के दोहा एशियाई खेलों में देखने को मिला, जहां उन्होंने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस दौरान उन्होंने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की थी।

हालांकि ओलंपिक पदक जीतने का सपना अधूरा रह गया, लेकिन भारतीय निशानेबाजी में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। खिलाड़ी के रूप में सफलता हासिल करने के बाद जसपाल राणा ने कोचिंग में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। वर्ष 2012 से जूनियर पिस्टल कोच के रूप में उन्होंने कई प्रतिभाशाली निशानेबाजों को तराशा। उनकी देखरेख में सौरभ चौधरी, अनीश भानवाला और चिंकी यादव जैसे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरे। पिछले वर्ष उन्हें 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का हाई-परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया गया था।

भारतीय निशानेबाजी की स्टार खिलाड़ी मनु भाकर की सफलता में भी जसपाल राणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर द्वारा जीते गए दो कांस्य पदकों के पीछे उनके मार्गदर्शन को अहम माना जाता है। मनु उन्हें अपने पिता समान मानती थीं। जसपाल राणा का जाना भारतीय खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

रियान पराग की कंधे की सर्जरी सफल

– घरेलू सत्र के शुरुआती मुकाबलों से रह सकते हैं बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के उभरते ऑलराउंडर और इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रियान पराग की दाहिने कंधे की सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में हुई इस सर्जरी को देश के प्रसिद्ध स्पोर्ट्स ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ परदीवाला ने अंजाम दिया। सफल ऑपरेशन के बावजूद रियान पराग को अब लंबी पुनर्वास प्रक्रिया से गुजरना होगा, जिसके कारण उनके घरेलू सत्र 2026-27 के शुरुआती चरण में हिस्सा लेने की संभावना कम दिखाई दे रही है। पिछले कुछ महीनों में रियान पराग का क्रिकेट करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अपनी नेतृत्व क्षमता से टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके बेहतरीन खेल को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें दांबुला में आयोजित त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम का उपकप्तान भी नियुक्त किया था। हालांकि श्रृंखला शुरू होने से ठीक पहले उन्हें गंभीर चोट का सामना करना पड़ा। मांसपेशियों और कंधे से जुड़ी समस्या के कारण वह प्रतियोगिता से बाहर हो गए। विस्तृत चिकित्सकीय जांच के बाद डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी, जिसे अब सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। उनकी अनुपस्थिति में रुतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल किया गया। सर्जरी के बाद अब रियान पराग की प्राथमिकता पूरी तरह फिट होकर मैदान पर वापसी करना होगी। इसके लिए उन्हें जल्द ही बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भेजा जाएगा। वहां बोर्ड के विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट और चिकित्सा टीम की निगरानी में उनका रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम शुरू होगा। माना जा रहा है कि उनकी रिकवरी प्रक्रिया में कुछ महीने लग सकते हैं और इसी कारण आगामी घरेलू सत्र के शुरुआती मुकाबलों में उनकी उपलब्धता संदिग्ध बनी हुई है। सर्जरी के बाद रियान पराग ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। अस्पताल से साझा की गई तस्वीर के साथ उन्होंने भावुक संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सफल रहा है और अब वह एक नई चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

वैभव सूर्यवंशी का भारत के लिए डेब्यू खतरे में, आयरलैंड की स्थिति पर नजर रख रहा बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी के आयरलैंड और इंग्लैंड के टी20आई दौरे पर सीनियर टीम के लिए संभावित डेब्यू को लेकर चर्चा हो रही है। सूर्यवंशी ने भारत की टी20आई टीम में चुने जाकर सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पहले ही तोड़ दिया है और अभी श्रीलंका में इंडिया ए टीम के साथ ट्राई-नेशन सीरीज में व्यस्त हैं। इस महीने के आखिर में आयरलैंड में उनके सीनियर इंडिया डेब्यू की चर्चा के बीच, वहां चल रही कम्युनिटी अशांति के कारण खतरा पैदा हो गया है।

लिस्बन में होने वाला इंटर-प्रोविंशियल टी20 फेस्टिवल पहले ही रद्द कर दिया गया है जबकि क्रिकेट आयरलैंड ने एक बयान में कहा है कि रविवार को होने वाले आयरिश सीनियर कप और नेशनल कप मैचों पर फैसला अगले 48 घंटों में लिया जाएगा। अगर स्थिति ठीक नहीं होती है तो आयरलैंड बनाम भारत सीरीज पर भी खतरा मंडरा सकता है। क्रिकेट आयरलैंड ने एक बयान में कहा, 'क्रिकेट आयरलैंड उन इलाकों में स्थिति पर नजर रख रहा है जहां अभी कम्युनिटी अशांति है और इस रविवार को होने वाले आयरिश सीनियर कप और नेशनल कप मैचों के बारे में अगले 48 घंटों में फैसला करेगा।'

बयान में आगे कहा गया, 'हम संबंधित अधिकारियों और अपनी प्रोविंशियल यूनियनों के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं। खिलाड़ियों, कोचों, मैच अधिकारियों और समर्थकों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे जरूरी है। जैसे ही और जानकारी मिलेगी, अपडेट दिए जाएंगे।' एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भी आयरलैंड की स्थिति पर नजर रख रहा है। अगर स्थिति में सुधार नहीं होता है, तो बोर्ड बेलफास्ट से मैच दूसरी जगह शिफ्ट करने का फैसला कर सकता है।

गौर हो कि पिछले महीने खत्म हुए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए कुछ धमाकेदार पारियां खेलने के बाद वैभव सूर्यवंशी इंडिया ए के लिए वन-डे क्रिकेट में एक अलग अंदाज में दिखे हैं। गुरुवार को अफगानिस्तान ए के खिलाफ सूर्यवंशी ने आउट होने से पहले 22 गेंदों में 44 रन बनाए, लेकिन एक भी छक्का नहीं लगाया। ढ्ढक्क में जहां 15 साल के इस खिलाड़ी ने ज्यादातर छक्के लगाकर रन बनाए थे, वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ उनका खेल काफी संभला हुआ दिखा, जिससे वे जमीन के सहारे शॉट खेल पाए। सूर्यवंशी की जबरदस्त कोशिश के बावजूद इस मैच में इंडिया ए को अफ़गानिस्तान ए से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व कप के पहले मैच में ही बना लाल कार्ड का नया रिकॉर्ड

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच बृहस्पतिवार को यहां खेले गए विश्व कप के उद्घाटन मैच में ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की एक अनोखी घटना देखने को मिली। इस मैच में तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाया गया। यह भले ही विश्व कप का रिकॉर्ड नहीं है लेकिन यह उद्घाटन मैच में लाल कार्ड का नया रिकॉर्ड है। विश्व कप के किसी मैच में सर्वाधिक लाल कार्ड दिखाए जाने के रिकॉर्ड में यह मैच दूसरे स्थान पर है। पुर्तगाल और नीदरलैंड के बीच 2006 में जर्मनी में खेले गए विश्व कप के मैच में चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। यह घटना इसलिए भी अनोखी है क्योंकि कतर में 2022 में खेले गए पिछले विश्व कप में पूरे टूर्नामेंट में केवल चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी स्फेफेलो सिथोले और थेम्बा जवाने दोनों को लाल कार्ड दिखाया गया, जिसके चलते टीम को 9 खिलाड़ियों के साथ ही मैच समाप्त करना पड़ा।

विश्व कप 2026 : रैना ने बताई हार्दिक की चिंता, कुंबले ने की युवा प्रिंस यादव की तारीफ

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने आगामी वनडे विश्व कप 2026 से जुड़ी भारतीय टीम की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। रैना का मानना है कि चोटों से लगातार जूझ रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के लिए भारत को एक भरोसेमंद विकल्प तलाशना होगा और उसे प्राथमिकता के साथ तैयार किया जाना चाहिए, क्योंकि हार्दिक की फिटनेस संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। मौजूदा समय में भी हार्दिक चोट के चलते अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर हैं। रैना ने एक चैनल पर अपनी राय व्यक्त करते हुए नितीश कुमार रेड्डी को एक उपयुक्त विकल्प बताया। उन्होंने नितीश की बल्लेबाजी में सुधार, अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी तथा बेहतरीन फिटनेस की सराहना की। रैना ने टीम प्रबंधन को उनके काम के बोझ का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने और उन्हें लगातार अवसर प्रदान करने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त, रैना ने कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी को एक बड़ा फायदा बताया। उन्होंने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट्स में इन दोनों खिलाड़ियों का व्यापक अनुभव, बड़े स्कोर बनाने की क्षमता और नॉकआउट मुकाबलों में दबाव संभालने का कौशल गिल के लिए अमूल्य साबित होगा। दोनों ने आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं और विश्व कप में गिल की कप्तानी में उनकी भूमिका अहम होगी। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने भी भारतीय एकदिवसीय टीम में युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव के चयन का स्वागत किया है। कुंबले ने कहा कि प्रिंस ने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर यह मौका हासिल किया है। उन्होंने प्रिंस की विभिन्न प्रकार की गेंदों कटर, धीमी गेंद और यॉर्कर की सराहना करते हुए उन्हें हर चरण में गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज बताया। कुंबले ने यह भी रेखांकित किया कि युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह पक्की करने के लिए लगातार अवसर दिए जाने चाहिए।

14 जून भारतीय महिला टीम करेगी पाकिस्तान के खिलाफ आगाज

- महिला टी20 विश्व कप 2026 के मैचों का पूरा शेड्यूल और प्रसारण समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 का विस्तृत शेड्यूल पहले ही जारी कर दिया गया था, लेकिन भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि वे इन रोमांचक मुकाबलों को किस समय देख पाएंगे। इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के मैचों का समय भारतीय समयानुसार अब स्पष्ट हो गया है, जिससे प्रशंसकों को अपने पसंदीदा मैचों का आनंद लेने में सुविधा होगी। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट आज शुक्रवार, 12 जून, 2026 से शुरू होकर रविवार, 5 जुलाई, 2026 को फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त होगा। उद्घाटन मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। भारतीय महिला टीम, जो ग्रुप ए का हिस्सा है, अपना पहला मुकाबला रविवार, 14 जून को खेलेगी। भारतीय टीम के ग्रुप में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, नीदरलैंड और बांग्लादेश जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं।

भारत और इंग्लैंड के स्थानीय समय में लगभग साढ़े चार घंटे का अंतर है। जब इंग्लैंड में शाम के साढ़े छह बजते हैं, तब भारत में रात के ग्यारह बज चुके होते हैं। इसका मतलब है कि कई शुरुआती मुकाबले, जो इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार शाम को 6:30 बजे शुरू होंगे, भारतीय दर्शकों के लिए रात 11:00 बजे से लाइव उपलब्ध होंगे। हालांकि, भारतीय प्रशंसकों के लिए एक सुखद खबर यह है कि भारतीय महिला टीम के मैचों का समय भारतीय समयानुसार शाम को रखा गया है। इंग्लैंड के स्थानीय समय के अनुसार ये मैच दोपहर 2:30 बजे शुरू होंगे, जिसका अर्थ है कि भारतीय समयानुसार आप इन्हें शाम 7:00 बजे से देख पाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मैच भी स्थानीय समय के अनुसार दोपहर में ही खेले जाएंगे, ताकि भारतीय दर्शकों को ये मुकाबले शाम 7:00 बजे से देखने को मिलें। यह ध्यान रखना दिलचस्प होगा कि अगर आप रात 10:00 बजे भारत में मैच देख रहे हों और आपको स्क्रीन पर धूप दिख रही हो, तो चौंकने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उस समय इंग्लैंड में दोपहर का समय होगा। प्रशंसकों को इन महत्वपूर्ण तिथियों और समय को अभी से नोट कर लेना चाहिए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : पीवी सिंधु ने चीनी ताइपे की चेन सु यू को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

सिडनी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स शानदार जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने चीनी ताइपे की चेन सु यू को एकतरफा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 21-6, 21-14 से हराया, यह मुकाबला सिर्फ 27 मिनट तक चला। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु का अगला मुकाबला जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची से होगा जिन्होंने भारतीय टीनएजर तन्वी शर्मा के शानदार सफर को 32 मिनट में 21-14, 21-14 से हराकर खत्म किया। दिलचस्प बात यह है कि सिंधु का वर्ल्ड नंबर 3 जापानी खिलाड़ी के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 15-13 का है, जिसमें वह थोड़ी आगे हैं। सिंधु ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और अपनी बेहतर पहुंच और कोर्ट कवरेज का इस्तेमाल करते हुए अपनी प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम आसानी से जीता और दूसरे गेम में भी अपनी लय बनाए रखते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। सेमीफाइनल में पहुंचना सिंधु के लिए एक बड़ी बात है, क्योंकि उनका सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा है और वह ब्JJस्न वर्ल्ड टूर पर अपनी लय पाने की कोशिश कर रही हैं। साथ ही वह दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद से अपने पहले खिताब की तलाश में हैं। इससे पहले सिंधु ने प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी ही देश की खिलाड़ी इशारानी बरुआ को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप 24 जून को रचाएंगे शादी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप जल्द ही अपने जीवन की नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। मैदान पर अपनी तेज गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आकाशदीप अब विवाह बंधन में बंधने की तैयारी में हैं। जानकारी के अनुसार वह 24 जून को अपनी मंगेतर अक्षिता के साथ सात फेरे लेंगे। शादी समारोह बिहार के रोहतास जिले में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया जाएगा। आकाशदीप की होने वाली पत्नी अक्षिता डेहरी-ऑन-सोन के मानिकपुर गांव की निवासी हैं। दोनों परिवारों की सहमति से यह विवाह संपन्न होगा। शादी को लेकर दोनों परिवारों में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और रिश्तेदारों के आने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। विवाह समारोह को पारंपरिक और पारिवारिक माहौल में आयोजित करने की योजना बनाई गई है। सूत्रों के अनुसार शादी से पहले विभिन्न रस्में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न होंगी। 21 जून को तिलक समारोह आयोजित किया जाएगा, जबकि 22 जून को मेहंदी की रस्म होगी। इसके बाद 23 जून को हल्दी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों में परिवार के सदस्य, करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। 24 जून को आकाशदीप बारात लेकर अक्षिता के घर पहुंचेंगे और विवाह की सभी परंपराओं का पालन करते हुए दोनों जीवनसाथी बनेंगे। आकाशदीप का पैतृक गांव रोहतास जिले का बड्डी गांव है, जहां विवाह से जुड़ी कई रस्में संपन्न की जाएंगी। स्थानीय लोगों में भी इस शादी को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। क्रिकेट के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके आकाशदीप की इस खुशखबरी से उनके प्रशंसकों में भी खुशी का माहौल है। भारतीय टीम के लिए खेलते हुए आकाशदीप ने अपनी तेज और सटीक गेंदबाजी से कई बड़े बल्लेबाजों को परेशानी में डाला है।

फीफा विश्व कप : मैक्सिको की धमाकेदार शुरुआत, दक्षिण अफ्रीका को से हराया

मैक्सिको सिटी (एजेंसी)। सह मेजबान मैक्सिको ने अब तक के सबसे बड़े फुटबॉल विश्व कप के उद्घाटन मैच में दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की। इस बार विश्व कप में 48 टीम भाग ले रही हैं और खचाखच भरे एज़्टेका स्टेडियम में मैक्सिको की टीम पर अपेक्षाओं का दबाव होना स्वाभाविक था। लेकिन उसके खिलाड़ियों ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई और दक्षिण अफ्रीका को आसानी से हराकर अपने प्रशंसकों को जमकर जश्न मनाने का मौका दिया।

इस मैच में तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड भी दिखाए गए। जूलियन क्विनोनेस (नौवें मिनट) और राउल जिमेनेज (66वें) ने मैक्सिको के लिए गोल किए, जो कनाडा और अमेरिका के साथ इस टूर्नामेंट की सह-मेजबानी कर रहा है। मैक्सिको के कोच जेवियर अगुइरे ने मैच के बाद कहा, 'मैंने उन्हें यह समझाने की कोशिश की कि विश्व कप और घरेलू मैदान पर पहला मैच खेलने का क्या मतलब होता है। वे युवा हैं और उन्हें खुद इसका अनुभव करना था।'

मैक्सिको चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में ग्रुप चरण से बाहर हो गया था। इससे पहले उसकी टीम लगातार सात बार अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रही लेकिन क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच पाई थी। लेकिन इस साल उम्मीद की किरण है। मैक्सिको अब तक केवल दो बार 1970 और 1986 में विश्व कप के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा है। इन दोनों अवसरों पर वह मेजबान देश था। अगुइरे 1986 की टीम का हिस्सा थे।

मैक्सिको ने 80,824 दर्शकों की उपस्थिति में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और नौवें मिनट में क्विनोनेस के गोल से बढ़त बना ली। जिमेनेज ने 66वें मिनट में हेडर से दूसरा गोल दागा। यह मैक्सिको के लिए उनका 46वां लेकिन तीन विश्व कप में पहला गोल था। जिमेनेज़ इस गोल से मैक्सिको की तरफ से सर्वाधिक गोल करने के मामले में जारेड बोर्गेटी के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। वह शीर्ष पर काबिज जेवियर हर्नांडिज़ से छह गोल पीछे हैं।

अगुएरे ने कहा, 'हमने पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन अगर हम हाफ टाइम तक 3-0 की बढ़त बना लेते तो किसी को कोई शिकायत नहीं होती। हमने उनसे कहीं बेहतर खेल दिखाया।' दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी स्फेफेलो सिथोले और थेम्बा ज़वाने दोनों को लाल कार्ड दिखाया गया, जिसके चलते टीम को नौ खिलाड़ियों के साथ ही मैच समाप्त करना पड़ा। इसके बाद मैक्सिको के डिफेंडर सेसार मोंटेस को भी इंजरी टाइम में लाल कार्ड मिला।

विश्व कप टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में पहली बार तीन लाल कार्ड दिखाए गए। विश्व कप के किसी मैच में सर्वाधिक लाल कार्ड दिखाए जाने

के मामले में यह मैच दूसरे स्थान पर है। पुर्तगाल और नीदरलैंड के बीच 2006 में जर्मनी में खेले गए विश्व कप के मैच में चार लाल कार्ड दिखाए गए थे। मैक्सिको के अब ग्रुप ए में तीन अंक हो गए हैं और वह अगले गुरुवार को ग्वाडलजारा में दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलेगा। दक्षिण अफ्रीका उसी दिन अटलांटा में चेक गणराज्य का सामना करेगा।

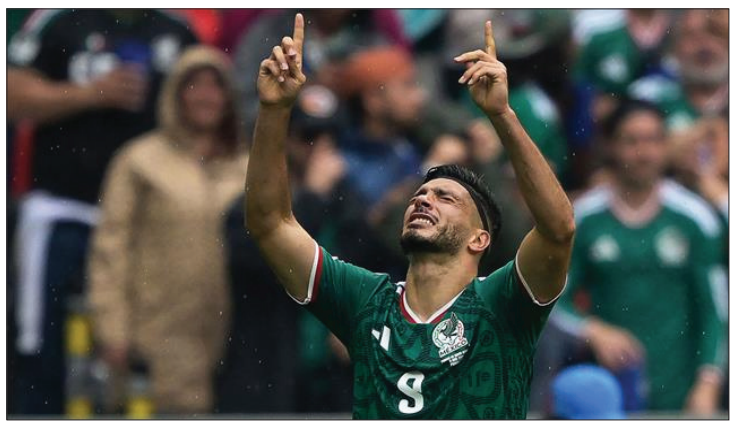

असम में आया 4.7 तीव्रता का भूकंप, कछार जिले में था भूकंप का केंद्र, मेघालय समेत पूर्वोत्तर के कई इलाकों में महसूस हुए झटके

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के कछार जिले में गुरुवार रात 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसके झटके मेघालय सहित पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या बड़े हादसे की कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार भूकंप गुरुवार रात करीब 9:10 बजे आया। इसका केंद्र असम के कछार जिले में स्थित था। भूकंप की गहराई जमीन से लगभग 39 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई, जिससे इसके झटके आसपास के राज्यों तक महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र 24.941 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 93.007 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। झटके महसूस होते ही कई लोग एहतियातन अपने घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। कुछ क्षेत्रों में लोगों के बीच थोड़ी देर के लिए दहशत का माहौल भी देखा गया। मेघालय के अलावा दक्षिणी असम और पूर्वोत्तर के अन्य हिस्सों में भी कंपन महसूस किए जाने की खबरें सामने आई हैं। हालांकि स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी और किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं की।

बिल्डिंग में आग, 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात 2:35 बजे से 2:37 बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिलीं। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर 1 में स्थित एक इमारत में लगी थी। इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की खबर मिलने के बाद फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू शुरू किया। 3:45 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

ट्रैनिंग के दौरान धमाका, 2 जवान घायल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शुक्रवार को एलओसी के पास धमाका हो गया। इस हादसे में सेना के दो जवान घोयल हो गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक एलओसी के पास फॉरवर्ड एरिया में ट्रैनिंग एक्सरसाइज के दौरान अचानक ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ। हादसे में घायल दोनों जवानों को पुंछ के 425 आर्मी फील्ड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

वाराणसी में जिला जज की कुर्सी पर बैठी महिला, हंगामा

-बोली- आज मैं सुनवाई करूंगी, गवाह और सबूत पेश करिए; पुलिस ने खींचकर उतारा

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में शुक्रवार सुबह 9 बजे जिला जज की कुर्सी पर एक महिला बैठ गई। कुर्सी पर बैठते ही हैमर पटकते हुए चिल्लाई- ऑर्डर-ऑर्डर। वकीलों से कहा- आज मैं जिला जज हूं। गवाह और सबूत पेश करिए। आज सारे मामले की सुनवाई मैं करूंगी। जो भी काम हो हमको बताया जाए। इसके बाद फाइलें उठाकर उनको पलटना शुरू कर दिया। एकाएक हुए इस घटनाक्रम से वकील चौंक गए। उन्होंने वीडियो बनाना शुरू किया तो महिला भड़क गई। वकीलों ने महिला को बाहर जाने के लिए कहा, लेकिन वह कुर्सी पर ही बैठी रही। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों को बुलाया गया। पुलिस महिला को हिरासत में लेकर कैंट थाने लेकर चली गई। करीब एक घंटे तक यह ड्रामा चला। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को जिला जज अवकाश पर थे। शुक्रवार सुबह जिला कोर्ट खुला। कर्मचारियों ने जिला जज समेत सभी कोर्ट में आज सुनवाई के लिए प्रस्तावित मुकदमों की फाइलें रख दीं। तभी शिवपुर निवासी बुज गुप्ता की पत्नी वंदना गुप्ता (50) कोर्ट में घुस आईं। जिला जज के आने का समय पूछा। कुछ देर बाद वह जिला जज की डायस पर पहुंच गईं और कुर्सी पर बैठ गई। हैमर उठाकर टेबल पर पटकते हुए जोर से चिल्लाकर कहा- ऑर्डर-ऑर्डर। यह सुनकर कोर्ट रूम में मौजूद वकील खड़े हो गए। यह देखकर वंदना गुप्ता बोली कि आप लोग खड़े मत हो। गवाह और सबूत पेश करिए। जो भी काम हो मुझे बताइए।

नटराजन मामला : कांग्रेस का प्रदर्शन, पहले वोट चोरी, अब सीट चोरी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश से अपनी राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के विरोध में प्रदर्शन किया। दिल्ली में जुटे मध्य प्रदेश कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित अनेक विधायकों ने भाजपा पर वोट चोरी के बाद अब सीट चोरी का आरोप लगाया। कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने घटना को देश के इतिहास में पहली बार हुई सीट चोरी बताया। उन्होंने कहा कि आजकल जहाँ वोट चोरी और ईवीएम में गड़बड़ी की चर्चा थी, वहीं अब भाजपा ने चुनाव से पहले ही सीट चोरी कर ली है। कांग्रेस नेता सिंह ने आरोप लगाया कि जब नटराजन ने अपना नामांकन जमा किया था, तब भी भाजपा कांग्रेस विधायकों को प्रलोभन देने और सौदा करने का पूरा प्रयास कर रही थी। उन्होंने 2020 के ज्योतिरादित्य सिंधिया प्रकरण का जिक्र कर कहा कि वर्तमान विधायकों को भाजपा के साथ सौदा करने का मतलब आत्महत्या करना बखूबी एहसास था। विधायकों के एकजुट खड़े रहने के बाद भाजपा पर बेबुनियाद तरीके से नोटिस ढूंढ़कर नामांकन रद्द कराने का आरोप लगाया गया। जयवर्धन सिंह ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसार, गैर-संज्ञेय अपराध के नोटिस का नामांकन में उल्लेख करना अनिवार्य नहीं है, केवल एफआईआर या न्यायिक जाँच का ही उल्लेख करना पड़ता है। उन्होंने देश के 80 साल के इतिहास में पहली बार एक गैर-संज्ञेय अपराध के नोटिस के आधार पर उम्मीदवारी खारिज किया जाना बताया। वहीं कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने दिन को लोकतंत्र के लिए काला दिन करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा जहाँ 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की बात करती है, वहीं वह अपनी तीन राज्यसभा सीटों पर एक भी महिला को मौका नहीं देती और जब कांग्रेस मौका देती है, तब उस खत्म करने में पूरी ताकत लगा देती है। उन्होंने भाजपा पर विधायक खरीदकर वोटिंग से बचने का आरोप भी लगाया। राज्यसभा सांसद अशोक सिंह ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा संवैधानिक संस्थाओं को खत्म करने की बात अब स्पष्ट रूप से दिख रही है। विधायक विवेक पटेल ने इस लोकतंत्र की हत्या बताया, जो 2014 के बाद से भाजपा सरकार द्वारा लगातार की जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम, चली तेज आंधी-बारिश, लोगों को मिली राहत

-पाक सीमा से सटे इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना, रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार रात अचानक मौसम का मिजाज बदल गया है। तेज आंधी, बिजली और धूल भरे तूफान आया। मौसम के इस आक्रामक रूप को देखते हुए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस समय सेंट्रल पाकिस्तान और उससे सटे इलाकों के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। यह हवाओं का एक ऐसा जाल है जो अपने आसपास के क्षेत्र में भारी वायुमंडलीय अस्थिरता पैदा करता है। इस साइक्लोनिक सर्कुलेशन के मजबूत होने के कारण उत्तर-पश्चिम भारत, खासकर दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी यूपी के वायुमंडल में अचानक उथल-पुथल शुरू हो गई है। जब यह पाकिस्तान की तरफ से आ रही गर्म हवाएं भारत के मैदानी इलाकों की नमी से मिलती हैं, तो यह तीव्र आंधी और गरज-चमक वाले बादलों का निर्माण करती हैं। यही कारण है कि दिल्ली-एनसीआर में अचानक 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने लगीं, जो कभी-कभी 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार को भी छू रही हैं।

मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में रेड अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट का मतलब होता है- तुरंत कदम उठाएं और सुरक्षित रहें। यह अलर्ट तब जारी किया जाता है जब मौसम इतना खराब हो कि उससे जान-माल के नुकसान का खतरा हो। विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों तक दिल्ली और आसपास के इलाकों में तेज आंधी के साथ बिजली, धूल का गुबार और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

इस तूफान और बारिश का एक सकारात्मक पहलू यह है कि इसने दिल्लीवासियों को पिछले कई दिनों से सता रही उमस और भीषण गर्मी से राहत दी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार से यह सिस्टम और मजबूत हो सकता है, जिससे बारिश और तेज हवाओं का दौर आगे भी जारी रहेगा। खराब मौसम को देखते हुए मौसम विभाग ने नागरिकों और स्थानीय प्रशासन के लिए सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं।

गाइडलाइन के मुताबिक मजबूत इमारतों में शरण लें, तूफान के दौरान तुरंत किसी पक्के और सुरक्षित मकान के अंदर चले जाएं। कमजोर संरचनाओं से दूर रहें, टिन शेड, साइनबोर्ड, कच्चे मकानों और निर्माणाधीन इमारतों के पास बिल्कुल न खड़े हों। आंधी में पेड़ उखड़ने या उनकी शाखाएं टूटने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है, इसलिए इनके नीचे गाड़ी पार्क न करें और न ही खुद खड़े हों। घरों के अंदर रहने के दौरान भी शीशे वाली खिड़कियों से दूर रहें। इस दौरान नदी, तालाब या जलभराव वाले इलाकों के पास जाने से बचें। पाकिस्तान से उठे इस वेदर सिस्टम का असर अगले 24 से 48 घंटों तक रह सकता है, इसलिए सतर्कता ही इस मौसम में सबसे बड़ा बचाव है।

इंडिगो फ्लाइट में बम लिखा टिशू पेपर मिला, विमान से यात्रियों को उतारा

-विमान और सामान की तलाशी ली, नहीं मिली संदिग्ध वस्तु, यात्री हुए परेशान

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब उड़ान भरने से पहले विमान के टॉयलेट में बम लिखा हुआ एक टिश्यू पेपर मिला। लखनऊ से

सुबह 11.15 बजे इंडिगो एयरलाइन के दिल्ली जाने वाले विमान 6E2111 के टॉयलेट में किसी ने एक टिश्यू पेपर पर बम होने की सूचना लिखकर रख दी। इसके बाद विमान को एसटीसी से संपर्क के बाद टैक्सी वे एरिया में लाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीआईएसएफ समेत सभी सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रियों और उनके सामान को उतार नीचे उतारा। विमान और सामान की तलाशी ली गई। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत करीब 180 यात्रियों वाली इस फ्लाइट को एप्रन पर ही रोक दिया गया। सुरक्षा कर्मियों ने विमान की सघन तलाशी ली गई, जिसमें कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच के बाद इस खतरे को पूरी तरह झूठा बताया। जरुरी सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते विमान की उड़ान में देरी हुई। अधिकारी ने बताया कि टिशू पेपर पर बम शब्द किसने लिखा और इसके पीछे किसका हाथ है इसका पता लगाया जा रहा है। इस पूरी छानबीन में विमान में बैठे 180 यात्री परेशान होते रहे। बता दें यह कोई पहली बार नहीं है जब कि इंडिगो विमान में बम की झूठी सूचना दी गई हो। पहले भी कई मौकों पर ऐसा हो चुका है और हर बार यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा है। कई मामलों में तो सुरक्षाकर्मियों ने आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है।

दलाई लामा के घुटने की हुई रिप्लेसमेंट सफल सर्जरी, अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा की बाएं घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद उनकी सेहत में सुधार हो रहा है। इसके साथ ही, उन्हें अस्पताल से भी छुट्टी दे दी गई है। दलाई लामा ने एक्स पर अपने स्वास्थ्य को लेकर यह अपडेट साझा किया है। डॉक्टरों ने बताया कि वर्तमान प्रक्रिया के बाद उनकी स्थिति स्थिर है और स्वास्थ्य में सुधार जारी है। उन्होंने बताया कि अस्पताल के मेडिकल, नर्सिंग और प्रशासनिक स्टाफ ने उनके उपचार में उत्कृष्ट देखभाल प्रदान की है।

नई दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. राजेश मल्होत्रा के मुताबिक दलाई लामा की बाएं घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी सोमवार को हुई थी। इलाज के दौरान दलाई लामा की निजी मेडिकल टीम और उनके कार्यालय ने अपोलो अस्पताल के प्रशासनिक एवं चिकित्सकीय कर्मचारियों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा। उन्होंने बताया कि दलाई लामा की स्थिति स्थिर है और उनके पूरी तरह स्वस्थ होने की उम्मीद है। उन्हें शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्होंने कहा कि दलाई लामा की सेवा करने का अवसर अस्पताल और चिकित्सा दल के लिए अत्यंत सम्मान की बात रही। बता दें इससे पहले जून 2024 में दलाई लामा ने न्यूयॉर्क सिटी के हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी में दाएं घुटने का सफल प्रत्यारोपण कराया था, जिसके बाद उनकी रिकवरी अच्छी रही थी। पिछले काफी समय से दलाई लामा हिमाचल प्रदेश के मैकलोडगंज में ही रह रहे हैं। 1959 में तिब्बत छोड़ने के बाद से वह भारत में शरण लिए हुए हैं और उन्होंने धर्मशाला को अपना स्थायी निवास बनाया है। बताया जा रहा है कि घुटने की सर्जरी करवाने के बाद दलाई लामा जून के अंत में लद्दाख जाएंगे। वहां वे एक विस्तारित अवधि तक प्रवास करेंगे। लद्दाख में उनके कार्यक्रमों और प्रवास की विस्तृत जानकारी बाद में जारी होगी।

एनसीपी में बगावत, कांग्रेस ने कहा- विलय का रास्ता खुला

शरद पवार की पार्टी से तीन विधायक हुए बागी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस हाईकमान ने शरद पवार को अपनी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) का कांग्रेस में पूरी तरह से विलय करने का एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। इस बड़े सियासी घटनाक्रम के बीच शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट में आंतरिक कलह और फूट भी खुलकर सामने आ गई है, जिसने राज्य की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। एक तरफ जहां विलय की चर्चाएं गर्म हैं, वहीं दूसरी तरफ शरद पवार गुट के तीन विधायकों- उत्तमराव जानकर, अभिजीत पाटिल और नारायण पाटिल- ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण से मुलाकात की है। माना जा रहा है कि टिकट वितरण से नाराज ये तीनों विधायक जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं। यह मुलाकात सोलापुर में महायुति के नेताओं की एक बैठक के दौरान हुई, जिसमें सांगोला से शेकप विधायक

बाबासाहेब देशमुख भी उपस्थित थे।

दरअसल, इस पूरी बगावत की मुख्य वजह सोलापुर विधानसभा सीट पर टिकट का बंटवारा है। यहां भाजपा के राजेंद्र राउत के सामने शरद पवार गुट ने वसंतराव देशमुख को अपना उम्मीदवार बनाया है। वसंतराव देशमुख को सांसद धैर्यशील मोहिते पाटिल का बेहद करीबी माना जाता है। ऐसे में इन तीन विधायकों की नाराजगी और भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देने के संकेत मोहिते पाटिल के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका माने जा रहे हैं। इन विधायकों ने उम्मीदवार चयन को लेकर पहले भी सार्वजनिक रूप से अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। इस पूरे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि तब तैयार हुई जब शिवसेना के उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने सुझाव दिया था कि जो पार्टियां कांग्रेस से अलग होकर बनी हैं, जैसे तृणमूल कांग्रेस और एनसीपी, उन्हें अब वापस कांग्रेस में शामिल हो जाना चाहिए। संजय राउत का मानना है कि आज के दौर में क्षेत्रीय दलों को अपने-अपने राज्यों में अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय मंच की जरूरत है और इसके लिए उन्हें कांग्रेस की मदद लेनी चाहिए। इस सुझाव पर प्रतिक्रिया देते हुए शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि संजय राउत उनके बड़े भाई जैसे हैं और उनका यह सुझाव स्वागत योग्य है, हालांकि भविष्य में क्या होगा यह समय तय करेगा। इसके साथ ही सुप्रिया सुले ने विपक्षी दलों को तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले शिवसेना तोड़ी गई, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस की बारी है, इसलिए वे इस संकट की घड़ी में उनके साथ खड़ी हैं। इस बीच, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भी इस सुर में सुर मिलाया है। उन्होंने संजय राउत के बयान का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि बिखरे हुए दलों को देशहित में एक मंच पर आना चाहिए और राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन का नेता स्वीकार कर लेना चाहिए। बहरहाल, विलय के इस बड़े प्रस्ताव और अपने ही विधायकों की बगावत ने शरद पवार गुट के सामने एक साथ दोहरी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

प्रणीत मोरे विवाद पर फडणवीस, स्टैंड-अप कॉमेडी में मर्यादा का ध्यान रखना जरूरी

मुंबई (एजेंसी)। स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणीत मोरे के शो को लेकर उठे विवाद के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है, लेकिन इसका उपयोग करते समय समाज, संस्कृति और लोगों की भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। सीएम फडणवीस ने जोर दिया कि जब अभिव्यक्ति की कोई शैली तय सीमाओं से आगे निकलती है, तब उसका समाज और आम लोगों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, इसलिए इसका इस्तेमाल जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ होना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से स्टैंड-अप कॉमेडी देखना पसंद है, लेकिन कॉमेडियन को यह समझना चाहिए कि उनके शब्द और प्रस्तुतियां समाज में किस तरह का संदेश दे सकती हैं; कॉमेडी के साथ सामाजिक मर्यादाओं का पालन भी आवश्यक है। यह विवाद प्रणीत मोरे के स्टैंड-अप शो से जुड़े कुछ वीडियो और क्लिप के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सामने आया, जिसमें महिलाओं, सहमति और मृत व्यक्तियों को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के आरोप लगे हैं। इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने स्वत: संज्ञान लेकर हरियाणा के पुलिस महानिदेशक से त्वरित और सख्त कार्रवाई की मांग की है। आयोग ने सात दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, साथ ही मोरे तथा हिमांशु जांगड़ा को 22 जून को आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया है। वहीं, महाराष्ट्र साइबर विभाग ने भी प्रणीत मोरे, हिमांशु जांगड़ा, डॉक्टर सेजल पवार सहित अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

पीएम मोदी के पास समारोह में शामिल होने का समय है, अमेरिकी हमले की निंदा का नहीं

-3 भारतीय नाविकों की मौत पर भड़के ओवैसी, बोले- बार-बार विफल साबित हो रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान तट के पास एक वाणिज्यिक पोत पर अमेरिकी सेना के हमले में तीन भारतीय की मौत के बाद देश में सियासत गरमा गई है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर तीखा हमला बोला। ओवैसी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी के पास समारोहों में शामिल होने के लिए तो समय है, लेकिन अमेरिकी हमले में मारे गए भारतीयों की मौत की निंदा करने का समय नहीं है। ओवैसी ने दावा किया कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में काम करने वाले भारतीय नागरिकों और नाविकों की जान की रक्षा करने में बार-बार विफल साबित हो रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवैसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीयों की जान बचाना सरकार का पहला कर्तव्य है। यह दुखद और व्यथित करने वाला है कि पीएम मोदी के पास समारोहों के लिए समय है लेकिन भारतीयों की जान लेने के लिए अमेरिकी सेना की निंदा करने का समय नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत के इतिहास में कभी इससे कमजोर सरकार रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अब भी भारतीयों को सैनिकों के रूप में भर्ती कर रहा है ''जो कई मारे जा रहे हैं'' लेकिन सरकार असहाय है।

ओवैसी ने कहा कि सरकार फिल्मों में चीन का नाम लेने या गलवान की लड़ाई दिखाने की इजाजत नहीं देती और अब अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में भारतीय नाविकों के साथ यह हुआ है। एक देश के रूप में हम इससे बेहतर के हकदार हैं। जय हिंद। भारत ने गुरुवार को कहा कि अमेरिकी सेना ने पिछले चार दिन में ओमान के तट के पास भारतीय चालक दल वाले तीन वाणिज्यिक पोतों पर हमला किया जिसमें तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। भारत ने कहा कि उसने इस मामले को अमेरिका के समक्ष सख्ती से उठाया है।

अब 'कॉकरोचों' ने लखनऊ में प्रदर्शन कर धर्मेन्द्र प्रधान का मांगा इस्तीफा

लखनऊ (एजेंसी)। केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को उप्र की राजधानी लखनऊ में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने पेपर लीक और परीक्षाओं में हो रही अनियमितता को पुरजोर तरीके से उठाया। इस मौके पर बड़ी संख्या में युवा एकत्रित हुए। युवाओं ने प्रदर्शन करते हुए नीट पेपरलीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

वहीं, प्रदर्शन को देखते हुए इको गार्डेन और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल व आरएएफ की टीमों की तैनाती की गई थी। लखनऊ आगमन पर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। अभिजीत जब ईको गार्डेन में प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे तो

भीड़ में फंस गए। हालांकि, कुछ देर बाद प्रदर्शनकारियों से मिले और उन्हें संबोधित किया और फिर धरने पर बैठ गए। हालांकि पहले खबर आई थी कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लखनऊ में अनुमति नहीं मिली। बाद में कॉकरोच पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके के लखनऊ पहुंचने के बाद पुलिस के प्रदर्शन में भाग लेने की अनुमति की खबर सामने आई। इस बीच लखनऊ में शुक्रवार को भीषण गर्मी का असर दिखा। प्रदर्शनकारी छात्र पेड़ों की छांव तलाशते दिखे। वहीं, अभिजीत दीपके भी कार्यक्रम स्थल पर महज 28 मिनट ही टिक पाए। इसके बाद इनोवा गाड़ी पर सवार होकर चलते बने। इस दौरान छात्रों ने कॉकरोच पार्टी प्रमुख के रवैये को नाराजगी जताई।

छात्र ग्रुप ने कॉकरोच जनता पार्टी पर छात्रों के आंदोलन का क्रेडिट चुराने का आरोप लगाया है। छात्रों का कहना है कि हमलोगों ने प्रयागराज में आंदोलन का ऐलान किया था। प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी के मुद्दे पर लगातार छात्र राजनीति गरमाई रही है। 29 मई के आंदोलन के दौरान 12 जून को लखनऊ में प्रदर्शन का निर्णय लिया गया। छात्र गुट का कहना है कि यह शिक्षकों और छात्रों का प्रोटेस्ट है। हम अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं। इससे कॉकरोच पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। छात्र संगठनों ने दावा किया कि आंदोलन में भाग लेने आए कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके महज 28 मिनट ही आंदोलन स्थल पर टिक पाए।

अहमदाबाद विमान हादसा: एक साल बाद भी सवालों के घेरे में जांच

पायलटों के संगठन ने उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। ठीक एक साल पहले, 12 जून 2025 को गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान एआई171 एक भीषण हादसे का शिकार हो गया था। इस दर्दनाक क्रैश में एक यात्री को छोड़कर विमान में सवार सभी 241 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में न केवल विमान के पायलट, क्रू मेंबर और यात्री मारे गए, बल्कि एक मेडिकल कॉलेज के कैंपस में विमान गिरने के कारण जमीन पर मौजूद कई अन्य लोग भी असमय काल के गाल में समा गए। आज इस भयावह हादसे को पूरा एक साल बीत चुका है, लेकिन हादसा क्यों और कैसे हुआ? तथा इसके लिए कौन जिम्मेदार था? जैसे बुनियादी और अहम सवालों के ठोस जवाब आज भी सामने नहीं आ सके हैं। इस बीच, फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलटों (एफआईबी) ने दुर्घटना की चल रही जांच पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए इसकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पायलटों के इस शीर्ष संगठन ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की पारदर्शिता और जांच की तकनीकी दिशा पर उंगली उठाई है। संगठन का दावा है कि क्रैश होने से पहले विमान ने कई तकनीकी चेतावनियां जारी की थीं, जिन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया। संगठन के प्रमुख कैप्टन सीएस रंधावा ने इस संबंध में चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि बोइंग 787 विमान ने उड़ान भरने से पहले और यात्रा के दौरान कम से कम 10 इनक्रिप्टेड यानी कोड वर्ड में हेल्थ मॉनिटरिंग कोड भेजे थे। उन्होंने शुरुआती जांच पर कड़ा असंतोष व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि जांच अधिकारियों ने वास्तविक तकनीकी खराबी या इलेक्ट्रिक फेल्योर की संभावनाओं को खंगालने के बजाय, बहुत ही जल्दबाजी में पूरा ध्यान केवल पायलट की गलती साबित करने पर केंद्रित कर दिया।

कैप्टन रंधावा ने दावा किया कि विमान के एयरक्राफ्ट कम्युनिकेशन एड्रेसिंग एंड रिपोर्टिंग सिस्टम द्वारा भेजे गए इन महत्वपूर्ण संदेशों को शुरुआती जांच रिपोर्ट से गायब कर दिया गया। ये विशेष कोड विमान के उड़ान भरने से महज 15 मिनट पहले और उड़ान के दौरान सिस्टम द्वारा भेजे गए थे। इन कोड संदेशों को केवल विमान निर्माता कंपनी बोइंग ही डिकोड कर सकती है, यहां तक कि एयरलाइन खुद भी इन्हें सीधे नहीं पढ़ सकती। यह अत्याधुनिक सिस्टम दोनों इंजनों की गति, तेल और हाइड्रोलिक प्रेशर सहित सैकड़ों तकनीकी मापदंडों की निगरानी कर रिपोर्ट भेजता है। संगठन ने उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर मांग की है कि इस बेहद संवेदनशील डेटा को तुरंत डिकोड कर सार्वजनिक किया जाए, ताकि हादसे की असली वजह सामने आ सके।

जांच एजेंसी की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए संगठन ने पूछा कि हादसे में चमत्कारिक रूप से जीवित बचे एकमात्र यात्री से पूरे 10 महीने तक कोई पूछताछ क्यों नहीं की गई? इसके साथ ही उन्होंने दिवंगत पायलट के 91 वर्षीय बुजुर्ग पिता को जांच के नाम पर प्रताड़ित किए जाने का भी आरोप लगाया। रंधावा के अनुसार, इस विमान में दिल्ली से अहमदाबाद आते समय ही तकनीकी खराबी की सूचना मिली थी, जहां इसकी स्टेबलाइजर से जुड़ी समस्या के कारण कुछ मोटर बदले गए थे और आनन-फानन में इसे दोबारा उड़ान की

हरी झंडी दे दी गई थी। हादसे में बचे एकमात्र यात्री के बयान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि टेकऑफ और लैंडिंग के समय विमान की लाइटें लगातार टिमटिमा रही थीं, जो विमान में किसी बड़े इलेक्ट्रिक फेल्योर का स्पष्ट संकेत था, जिसकी गहन तकनीकी जांच होनी अनिवार्य है।

संक्षिप्त समाचार

भारत से विवाद हल करने में तीसरे पक्ष की जरूरत नहीं : नेपाल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बुधवार को देश की संसद में स्पष्ट किया कि सरकार ने भारत के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के लिए किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता न तो मांगी है और न ही वह इसका समर्थन करती है। यह स्पष्टीकरण 31 मई को प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के बयानों के बाद मचे राजनीतिक हंगामे को शांत करने के लिए दिया गया। पीएम के बयानों की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की थी और उनके इस्तीफे की मांग भी उठी थी। खनाल ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सीमा को लेकर चल रहे विवाद पर दोनों देशों का एक संयुक्त कार्य समूह विचार करेगा।

चीनी विदेश मंत्रालय के साथ भारतीय दूत विक्रम की बैठक

बीजिंग, एजेंसी। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने बुधवार को बीजिंग में चाइनीज पीपल्स एसोसिएशन फॉर फ्रेंडशिप विद फॉरेन कंट्रीज के अध्यक्ष यांग वानमिंग से मुलाकात की और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। चाइनीज पीपल्स एसोसिएशन फॉर फ्रेंडशिप विद फॉरेन कंट्रीज चीन के विदेश मंत्रालय से जुड़ी संस्था है। यह चीन और दूसरे देशों के लोगों के बीच आपसी मेल-जोल पर ध्यान देती है। भारतीय दूतावास की पोस्ट के अनुसार, दोराईस्वामी और यांग ने भारत-चीन के बीच लोगों के आपसी मेल-जोल की पुरानी परंपरा और सांस्कृतिक, शैक्षिक व युवाओं के बीच बातचीत को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

अफगानिस्तान के हेरात में गोली लगने से एक किशोर की मौत

हेरात, एजेंसी। अफगानिस्तान के पश्चिमी शहर हेरात में महिलाओं की कथित गिरफ्तारी के विरोध में हुए प्रदर्शन पर की गई हिंसक कार्रवाई में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के अफगानिस्तान मिशन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। हेरात इलाके में ड्रेस कोड नियमों के उल्लंघन के आरोप में 30 महिलाओं की गिरफ्तारी की गई थी। इन गिरफ्तारियों के खिलाफ मंगलवार को 100-150 लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप है कि इस दौरान तालिबान पुलिस ने भीड़ पर गोलीबारी की। गोली लगने से कम से कम एक किशोर की मौत हुई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों को लाठियों से पीटे जाने की भी रिपोर्ट है। साल 2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद अफगानिस्तान पर तालिबान का शासन है। इसके बाद सरकार ने इस्लामी कानून (शरीयत) की सख्त व्याख्या पर आधारित कई नियम लागू किए हैं। देश में विरोध-प्रदर्शन दुर्लभ हैं और सरकार के खिलाफ असहमति को लगभग बर्दाश्त नहीं किया जाता। महिलाओं और लड़कियों पर कई सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनमें प्राथमिक शिक्षा के बाद पढ़ाई पर रोक और सार्वजनिक स्थानों पर ड्रेस कोड शामिल है। नियमों के अनुसार महिलाओं को पूर्ण हिजाब—सिर से पैर तक ढका हुआ वस्त्र और चेहरा ढकने वाला नकाब—पहनकर ही बाहर निकलने की अनुमति है।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा खुलासा, कहा- ईरान को पता ही नहीं, हमने होर्मुज से निकाल लिए 10 करोड़ बैरल तेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को बड़ा खुलासा किया। ट्रंप ने कहा कि उनके देश ने एक गुप्त सैन्य अभियान के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से 10 करोड़ (100 मिलियन) बैरल से ज़्यादा तेल निकाल लिया है। होर्मुज दुनिया भर में तेल ले जाने का एक अहम रास्ता है और अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे तनाव में एक अहम और संवेदनशील बिंदु है, उसे तेहरान ने 28 फरवरी से बंद कर रखा है। लेकिन बंद होर्मुज से अमेरिका ने 100 मिलियन बैरल तेल निकाल लिया, ये आश्चर्यजनक बात है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक गुप्त मिलिट्री ऑपरेशन की जानकारी देते हुए लिखा, 'पिछले महीने, मैंने हमारी महान अमेरिकी सेना को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज) से गुजरने वाले तेल टैंकरों और दूसरे कमर्शियल जहाज़ों की सुरक्षा के लिए एक गुप्त मिशन चलाने का निर्देश दिया था। उन्होंने आगे कहा, 'आज मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस कोशिश के नतीजे में 10 करोड़ (100 मिलियन) बैरल से ज़्यादा तेल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुज़ारकर खुले बाज़ार तक पहुंचाया है। 200 से ज़्यादा कमर्शियल जहाज़ सुरक्षित रूप से यहां से गुज़रे हैं। यह ज़बरदस्त कामयाबी इसलिए मिली है क्योंकि होर्मुज पर अमेरिका का कंट्रोल है, ईरान का नहीं। उनकी सेना हार चुकी है और उनकी अर्थव्यवस्था बर्बाद हो चुकी है। ईरान का खेल खत्म हो चुका है!' ट्रंप ने कहा कि ईरान को इस सीक्रेट मिशन के बारे में पता नहीं था। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने ऑपरेशन के बारे में और जानकारी दी और दावा किया कि कल रात बिना लाइट जलाए 22 जहाज़ निकाले गए और ईरान को इसका पता नहीं चल पाया क्योंकि उनके पास रडार नहीं था। ट्रंप ने कहा, 'मैं आज पहली बार यह बता रहा हूं।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश

21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर, दावा- प्रदर्शन रोकने के लिए जा रहे थे सैनिक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बुधवार को पाकिस्तान सेना का एक एमआई-17 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा मुजफ्फराबाद के पास उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ। हेलिकॉप्टर में सवार सभी 21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि हेलिकॉप्टर में कुल कितने लोग सवार थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये सुरक्षाकर्मी पीओके के नीलम घाटी सेक्टर जा रहे थे। वहां पर विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। इस वजह से सरकार वहां एक्स्ट्रा सैनिक तैनात कर रही है। मुजफ्फराबाद में उड़ान भरने के बाद हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन सुरक्षित उतारा नहीं जा सका। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि दुर्घटना की असली वजह का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

आर्मी चीफ मुनीर ने हादसे की जांच का आदेश दिया : सेना ने कहा है कि दुर्घटना की असली वजह पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं। पाकिस्तान के सेना प्रमुख

आसिम मुनीर समेत सेना के सभी अधिकारियों और जवानों ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी हेलिकॉप्टर हादसे पर शोक जताया। दोनों नेताओं ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा कि पूरा देश इन सैनिकों के बलिदान को सलाम करता है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि देश इन बहादुर सैनिकों की कुर्बानी को हमेशा याद रखेगा। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों ने मृतकों के लिए प्रार्थना की और उनके परिवारों को इस दुख को सहने की शक्ति मिलने की कामना की।

हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत : पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के में दी गई जानकारी में बताया गया है कि पाकिस्तान आर्मी एविएशन का यह हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबियों के कारण उड़ान भरते समय हादसे का शिकार हो गया। घटना के वक्त हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। पाकिस्तान मीडिया ने इंटर सर्विसेज पब्लिश रिलेशन के हवाले से यह जानकारी दी है। बताया गया है कि इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवाल कोई भी जीवित नहीं बचा है। वहीं, पाकिस्तानी आर्मी के ओर जारी बयान में कहा गया है कि हेलीकॉप्टर किसी तकनीकी खराबी की वजह से गिरा। हादसे के तुरंत बाद रेस्क्यू और रिकवरी टीमें मौके पर पहुंच गईं।

हेलीकॉप्टर में कुल 20 लोग थे सवार : बता दें कि यह दर्दनाक घटना पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के नीलम वैली में हुआ है। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पाकिस्तान सेना का यह हेलीकॉप्टर अचानक आसमान से नीचे जमीन पर आ गिरा। नीचे गिरते ही हेलीकॉप्टर आग का गोला बन गई। हेलीकॉप्टर में आग इतनी भीषण थी कि कोई भी बाहर नहीं निकल सका और सभी मौत के मुंह में समा गए। आईएसपीआर की ओर से इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि हेलीकॉप्टर में कुल कितने सैनिक सवार थे। पीओके में प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पाकिस्तान सेना ने हेलिकॉप्टर तैनात किए हुए हैं। खबर यह भी है कि दो दिन पहले भी बलूचिस्तान में एक पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर गिरा था।

पीओके में प्रदर्शन को रोकने सेना तैनात : यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब मुजफ्फराबाद और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था काफी सख्त है। हाल के दिनों में वहां बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई थी। इसकी वजह यह थी कि एक विरोध आंदोलन से जुड़े लोगों ने प्रदर्शन करने का ऐलान किया था।

चीन के गुआंग्शी में भीषण विस्फोट, 7 लोगों की मौत; ब्लास्ट के बाद पूरे इलाके में मची अफरा-तफरी

गुआंग्शी , एजेंसी। चीन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित गुआंग्शी क्षेत्र में एक विस्फोट ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस धमाके में अब तक 7 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि 17 लोग घायल हुए हैं। घटना की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की इमारतों और वहां मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय आपातकालीन सेवाओं ने तुरंत सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। धमाके के बाद अस्पताल और घटना स्थल पर पीड़ित परिवारों की भारी भीड़ देखी गई। जैसे ही धमाके की गूंज सुनाई दी, पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल पैदा हो गया। स्थानीय प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत व्यापक बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। मलबे और घटना स्थल के आसपास फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल ने घंटों मशक्कत की। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है ताकि आम नागरिकों को किसी और खतरे से बचाया जा सके और जांच प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। प्रारंभिक जांच रिपोर्टों में यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यह विस्फोट किसी गैस पाइपलाइन से जुड़ा हुआ नहीं था। इस खुलासे ने जांच को एक नई दिशा दे दी है, क्योंकि अब अधिकारी अन्य संभावित कारणों जैसे औद्योगिक लापरवाही या किसी विस्फोटक सामग्री की मौजूदगी की पड़ताल कर रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विशेषज्ञ टीमों को काम पर लगा दिया गया है और वे बारीकी से साक्ष्य जुटा रहे हैं। फिलहाल, पूरा ध्यान जांच पूरी करने और विस्फोट की असली वजह का पता लगाने पर केंद्रित है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक तकनीकी जांच और विशेषज्ञों की रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में सुरक्षा मानकों और आपातकालीन तैयारियों पर बहस छेड़ दी है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

कांगो में इबोला का कहर: संक्रमित मरीजों का आंकडा बढ़कर 635 हुआ, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बनी बड़ी चुनौती

किन्शासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री रोजर कांबा ने जानकारी दी है कि नौ जून तक देश में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 635 हो गई है। यह बीमारी 'बुंडीबुग्यो इबोला वायरस' के कारण फैली है। हालांकि, इस संकट के बीच राहत की खबर यह है कि अब तक 30 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं। हाल ही में आठ नए मरीज ठीक हुए हैं, जिनमें से सात इतुरी प्रांत के न्यानकुंडे और एक मोंगबवालू इलाके से है। स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया पर बताया कि सरकार इस बीमारी को रोकने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों के संपर्क में आए लोगों की पहचान करने का काम अब पहले से बेहतर हो रहा है। अब 61.1 प्रतिशत संपर्कों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सरकार ने इतुरी, उत्तर कीवू और दक्षिण कीवू जैसे प्रभावित प्रांतों में 490 टन दवाइयां भेजी हैं। वहां प्रयोगशालाओं को मजबूत किया गया है और स्वास्थ्य टीमें दिन-रात काम कर रही हैं। मंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे लक्षण दिखने पर तुरंत इलाज के लिए आएं, क्योंकि समय पर देखभाल से जान बचाई जा सकती है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बन रही चुनौती : दूसरी ओर, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने जमीनी हकीकत पर चिंता जताई है। एजेंसी का कहना है कि बचाव कार्यों में कई बड़ी बाधाएं आ रही हैं। प्रभावित इलाकों के अस्पतालों की हालत बहुत खराब है। वहां पीने के साफ पानी, कचरा जलाने वाली मशीनों, पीपीई किट और सफाई के सामान की भारी कमी है। इसके अलावा, खराब सड़कें, एम्बुलेंस की कमी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी काम को धीमा कर रही हैं। कई स्वास्थ्य कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिला है, जिससे उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। एक बड़ी चुनौती स्थानीय लोगों के बीच भरोसे की कमी भी है। इसके अलावा, कुछ देशों ने प्रभावित अफ्रीकी देशों की यात्रा पर पाबंदियां लगा दी हैं, जिसे स्वास्थ्य एजेंसियों ने गलत बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 17 मई को ही इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया था।

अमेरिका का ईरान पर लगातार दूसरे दिन हमला

जवाब में ईरान ने कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया, होर्मुज फिर बंद किया

तेहरान/वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार सुबह ईरान के कई ठिकानों पर नए हवाई हमले किए है। यह अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद लगातार दूसरे दिन बड़ा अटैक है। ईरानी मीडिया के मुताबिक केश्म द्वीप, बंदर अब्बास, मीनाब और सीरिक में धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं। कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिए गए।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान समझौते की बातचीत में देरी कर रहा है, इसलिए अमेरिका दबाव बनाए रखेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने 49 टॉमहॉक मिसाइलें दागीं और लड़ाकू विमानों से भी हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया है। हालांकि, किसी नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ईरान ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट को सभी जहाजों के लिए बंद कर दिया है। हालांकि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसे खारिज कर दिया।

जॉर्डन बोला- 5 ईरानी मिसाइलें हवा में मार गिराईं: जॉर्डन की सेना ने दावा किया कि ईरान से दागी गई 5 मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

ईरान का दावा- अमेरिकी स्टल्थ-9 रीपर ड्रोन मार गिराया: तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक दक्षिणी ईरान के जाम इलाके में अमेरिकी स्टल्थ-9 ड्रोन को गिराया गया। अमेरिका की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

होर्मुज के पास टैंकर पर अमेरिकी हमला: ओमान तट के पास एक ऑयल टैंकर पर अमेरिकी हमले के बाद आग लग गई। जहाज पर 24 भारतीय समेत 28 क्रू मेंबर सवार थे। एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि कुछ क्रू मेंबर लापता बताए गए।

रूस ने अमेरिका-ईरान से हमले रोकने की अपील की: मॉस्को ने दोनों देशों से संयम बरतने और सैन्य कार्रवाई बंद कर कूटनीति का रास्ता अपनाने को कहा।

कतर का प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा: कतर ने क्षेत्रीय तनाव कम करने और अमेरिका-ईरान टकराव पर बातचीत के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल ईरान भेजा है। बहरीन में फिर बजे एयर रेड सायरन, लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह अमेरिका-ईरान तनाव के बीच बहरीन में एक बार फिर एयर रेड सायरन बजाए गए हैं। बहरीन के गृह मंत्रालय ने लोगों से शांत रहने और तुरंत नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि नागरिक सुरक्षा निर्देशों का पालन करें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। हालांकि सायरन बजाने की वजह या संभावित खतरे के बारे में तत्काल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन हमले, सेना बोली- जवाबी कार्रवाई जारी मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच कुवैत ने कहा है कि उसके खिलाफ मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए हैं। कुवैती सेना ने बताया कि वह इन हमलों का जवाब दे रही है और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं। सेना ने लोगों से शांति बनाए रखने और जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। अधिकारियों ने नागरिकों से अनावश्यक आवाजाही से बचने और आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने को कहा है।

सिर काटने की कोशिश के बाद आयरलैंड-ब्रिटेन में भड़के दंगे

लंदन, एजेंसी। आयरलैंड के बेलफास्ट में एक आयरिश व्यक्ति का सिर काटने की कोशिश के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन बुधवार को बड़े एंटी-इमिग्रेशन दंगों में बदल गया। ?आयरलैंड और ब्रिटेन में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटना सामने आई। बेलफास्ट और उसके आसपास के इलाकों में नकाबपोश भीड़ ने घरों, दुकानों, बसों और कारों को निशाना बनाया। बेलफास्ट के न्यूटाउनार्ड्स रोड पर कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया शैंकिल में दो दुकानें लूट ली गईं और एक अफ्रीकी प्रवासी की दुकान को आग के हवाले कर दिया गया। लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर व स्कॉटलैंड के ग्लासगो में भी प्रवासी विरोधी प्रदर्शन के दौरान जमकर हिंसा हुई।

हिंसा की शुरुआत बेलफास्ट में

चाकूबाजी की घटना के बाद हुई। सूडान के एक शरणार्थी का एक आयरिश व्यक्ति से विवाद हो गया था। इसी बीच हादी ने चाकू से उसका गला काटने की कोशिश की थी। हमले में 40 वर्षीय आयरिश व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। इस वारदात का वीडियो वायरल होते ही प्रदर्शन की अपीलें तेज हो गईं थीं। पुलिस के मुताबिक चाकूबाजी घटना का आरोपी हादी अलोदिद सूडान से पेरिस और फिर डबलिन आया था। 2023 में वह बेलफास्ट पहुंचा और शरण मांगी।

प्रवासी विरोधियों परहिंसा भड़काने के आरोप : दक्षिणपंथी और प्रवासी विरोधियों ने सोशल मीडिया पर चाकूबाजी की घटना का वीडियो तेजी से फैलाया। कट्टरपंथी व प्रवासी-विरोधी टॉमी रॉबिनसन ने वीडियो शेयर करते हुए पूरे ब्रिटेन में लोगों से 'सड़कों पर उतरने' की अपील की थी। इसके बाद मास्क पहने हजारों लोगों की भीड़ सड़कों पर जमा हो गई। बेलफास्ट में नकाबपोशों ने कई घरों को निशाना बनाया है। कुछ जगह 'विदेशियों को निकालो' जैसे नारे भी लगाए। स्थानीय पादरी जैक मैकी ने बताया कि लोग सिर्फ प्रवासी होने के कारण घर छोड़ने को मजबूर हुए। बेलफास्ट इस्लामिक सेंटर ने शाम की नमाज रोक दी। दिग्गज कारोबारी इलॉन मस्क ने भी सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर करते हुए कहा- जोरदार प्रदर्शन से ही बदलाव आएगा। ब्रिटेन की कट्टरपंथी पार्टी रिफॉर्म यूके ने घटना को प्रवास नीति का नतीजा बताते हुए वीजा प्रतिबंध की अपनी पार्टी की बात दोहराई। वहीं, सांसद क्लेयर हन्ना ने मस्क, रिफॉर्म यूके के चीफ नाइजल फराज व अन्य को हिंसा का जिम्मेदार ठहराया।

'हमारा इलाका छोड़ दो वरना...', ईरानी विदेश मंत्री की अमेरिका को आखिरी चेतावनी; होर्मुज में भारी तबाही

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक बार फिर भीषण सैन्य संघर्ष का केंद्र बन गया है। अमेरिकी सेना द्वारा ईरानी ठिकानों पर की गई हालिया बमबारी के बाद ईरान के तेवर बेहद सख्त नजर आ रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका को दो-टूक चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की धमकी या हमले का ईरान की सेनाएं निर्णायक और मुंहतोड़ जवाब देंगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से अराघची ने अमेरिकी कार्रवाई पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि युद्ध के मैदान में हार के बावजूद अमेरिका ने ईरान के संकल्प की परीक्षा लेने का फैसला किया है। अराघची ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर आप सुरक्षित रहना चाहते हैं, तो हमारे इलाके से चले जाएं। फारस की खाड़ी का इतिहास घुसपैठ करने वाले बाहरी लोगों के बुरे अंजामों की कई कहानियों से भरा पड़ा है।

होर्मुज की संप्रभुता पर छिड़ी जंग : ईरानी विदेश मंत्री ने होर्मुज की अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि होर्मुज स्ट्रेट कोई अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र नहीं है, बल्कि यह ईरान और ओमान के बीच बंटा हुआ क्षेत्र है, जो अमेरिका के तटों से हजारों मील दूर स्थित है। अराघची के अनुसार, समुद्री सीमाएं बिल्कुल स्पष्ट हैं और ईरानी सेनाएं अपने हवाई क्षेत्र, जमीन या जलक्षेत्र के किसी भी उल्लंघन के लिए हमेशा हाई अलर्ट पर रहती हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि क्षेत्र में मौजूद विदेशी सेनाओं को मानवीय गलतियों या अचानक होने वाली गोलीबारी में फंसने का खतरा हमेशा बना रहता है।

की 'सेल्फ-डिफेंस' स्ट्राइक : यह तनाव तब और बढ़ गया जब अमेरिकी केंद्रीय कमान ने ईरान पर हमलों की पुष्टि की। अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेश पर 9 जून की शाम को यह जवाबी कार्रवाई शुरू की गई थी। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि यह हमला पूरी तरह से 'आत्मरक्षा' में किया गया था, क्योंकि एक दिन पहले ईरान ने अमेरिकी सेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया था। अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों ने सटीक निर्देशित हथियारों का इस्तेमाल करते हुए होर्मुज के पास स्थित ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों, ग्राउंड कंट्रोल स्टेशनों और निगरानी रडार ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है।

बड़ी सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह मुस्तैद : कूटनीति बनाम युद्ध की भाषा संघर्ष के इस दौर में भी ईरान ने बातचीत का रास्ता खुला रखने की बात कही है, लेकिन साथ ही अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन भी किया है। अराघची ने कहा कि ईरान कूटनीति की भाषा को प्राथमिकता देता है, लेकिन उनके बहादुर योद्धा दुनिया को दिखा चुके हैं कि वे जरूरत पड़ने पर 'दूसरी भाषा' यानी युद्ध की भाषा बोलना भी जानते हैं। फिलहाल खाड़ी क्षेत्र में स्थिति बेहद तनावपूर्ण बनी हुई है और दोनों ओर की सेनाएं किसी भी बड़ी सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह मुस्तैद हैं।

बिल गेट्स का सनसनीखेज खुलासा, कहा- अफेयर को लेकर एपस्टीन ने बनाया था ब्लैकमेलिंग का दबाव

वाशिंगटन, एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने अमेरिकी संसद की एक समिति के सामने बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है. बिल गेट्स ने यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन ने उनके पुराने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स को लेकर उन्हें ब्लैकमेल किया था. एपस्टीन चाहता था कि दोनों के बीच रिश्ते खत्म होने के बाद गेट्स उससे दोबारा संपर्क शुरू करें.

बिल गेट्स अमेरिकी संसद की 'हाउस ओवरसाइट एंड गवर्नमेंट रिफॉर्म कमेटी' के सामने पेश हुए थे. ये समिति इस बात की जांच कर रही है कि प्रशासन ने एपस्टीन मामले को कैसे संभाला. साथ ही, जांचकर्ता उस रसूखदार नेटवर्क का भी पता लगा रहे हैं जो एपस्टीन के संपर्क में था. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक बिल गेट्स ने माना कि जब वेफिलांथ्रोपी के कामों के सिलसिले में एपस्टीन से मिले थे, तब वो उसके अपराधों की गंभीरता को पूरी तरह नहीं समझ पाए थे. गेट्स ने अपने बयान में कहा, 'इन अफेयर्स का एपस्टीन के साथ मेरी बातचीत से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन ये मेरे परिवार के लिए बेहद दर्दनाक थे. एपस्टीन ने मेरी बेवफाई की जानकारी और उसके ऊपर कई झूठ की परतें चढ़ाकर मुझ पर दोबारा जुड़ने का दबाव बनाने की कोशिश की थी.'

व्यक्तिगत रिश्तों से साफ इनकार : बिल गेट्स ने इस दौरान बताया कि एपस्टीन के साथ उनकी मुलाकातें सिर्फ चैरिटी, वैश्विक स्वास्थ्य और फंड जुटाने को लेकर ही हुई थीं. उन्होंने एपस्टीन के साथ किसी भी तरह के निजी या दोस्ताना रिश्ते से साफ इनकार किया. गेट्स ने सांसदों को बताया, 'मैं कभी भी उसके द्वीप (आइसलैंड), उसके फार्महाउस (रेंच) या फ्लोरिडा वाले घर पर नहीं गया. मैंने कभी किसी का शोषण नहीं किया है.' उन्होंने आगे कहा, 'हो सकता है कि उसने निजी संबंध बढ़ाने की कोशिश की हो, लेकिन मेरी कभी ऐसी कोई दिलचस्पी

नहीं थी और न ही मैंने कभी उसकी तरफ हाथ बढ़ाया।

2014 में एपस्टीन से तोड़ दिया था नाता : बिल गेट्स ने बताया कि वो एपस्टीन से 2011 में जुड़े थे. ये वो समय था जब एपस्टीन फ्लोरिडा में वेश्यावृत्ति के आरोप में जेल की सजा काट चुका था. गेट्स ने कहा कि साल 2014 में जब उन्हें समझ आ गया कि एपस्टीन के जरिए चैरिटी के लिए फंड जुटाने की कोशिशें बेकार जा रही हैं, तो उन्होंने सारे नाते तोड़ दिए. गेट्स के मुताबिक, 'उस मोड़ पर मैंने मुझे समझ आया कि एपस्टीन अपने वादे कभी पूरे नहीं करेगा. मैंने उससे कह दिया कि हम अब आगे बात नहीं करेंगे और उससे मिलना-जुलना पूरी तरह बंद कर दिया.' गेट्स ने ये भी बताया कि उन्होंने एपस्टीन को कभी कोई आपराधिक काम करते नहीं देखा।

सांसदों के सवाल- सब जानते हुए भी संपर्क क्यों रखा : संसद की इस द्विदलीय समिति ने बिल गेट्स से तीखे सवाल पूछे. दोनों ही पार्टियों के सांसदों ने पूछा कि जब एपस्टीन के पुराने अपराधों और सजा की बात जगजाहिर थी, तो गेट्स उससे क्यों मिलते रहे? कमेटी के शीर्ष डेमोक्रेटिक सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने सुनवाई के बाद बताया कि बिल गेट्स ने ये मंजूर किया है कि उन्हें एपस्टीन के पुराने अपराधों और सजा की जानकारी थी. वहीं, रिपब्लिकन सांसद टिम बर्चेट ने एपस्टीन को एक फ्रेंड कलेक्टर बताया. बर्चेट ने कहा, 'ये पूरी तरह साफ है कि एपस्टीन बड़े लोगों को इकट्ठा करने का शौकीन था. उसे रसूखदार लोगों के साथ तस्वीरें खिंचवाना और उनके साथ घूमना पसंद था, ताकि वो अपना प्रभाव बढ़ा सके. मुझे लगता है कि इसी तरह उसने लोगों को अपने जाल में फंसाया.' डेमोक्रेटिक सांसद एमिली रैंडल ने कहा कि इस गवाही से ये पता चलता है कि एपस्टीन के साथ उठने-बैठने वाले कई ताकतवर पुरुषों ने जानबूझकर चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज किया और वही देखा जो वो देखना चाहते थे.

पीड़ितों के लिए न्याय की मांग : सुनवाई के दौरान बिल गेट्स ने एपस्टीन के अपराधों का शिकार हुए लोगों को लेकर अपनी संवेदना जाहिर की. उन्होंने कहा, 'मैं उम्मीद करता हूं कि एपस्टीन के अपराधों से बचे लोगों को वो न्याय मिले जिसके वे हकदार हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com